www.bharatsamvad.live

R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

सोशल मीडिया पर भारत संवाद
https://x.com/BharatSamvad
www.facebook.com/bharatsamvad.in
www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n
E-Paper bharatsamvad.live

मौसम
अधिकतम तापमान 32.c
27.c न्यूनतम तापमान

बाजार
सोना 95.770g
चांदी 97,030kg

2 प्राथमिकता बने पहलगाम का प्रतिकार, अभी पाकिस्तान को जवाब देने का वक्त

ट्रम्प-जेलेंस्की में बहस के दो महीने बाद मिनरल डील 04

वर्ष :08 | अंक :310 | मुंबई , शुक्रवार , 02 मई , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 2: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

गंजाम जिले में प्रेमी ने चाकू से हमला करके लड़की की हत्या की

ओडिशा के गंजाम जिले में बृहस्पतिवार को 17 वर्षीय एक लड़की की उसके घर में घुसकर कथित तौर पर उसके प्रेमी ने चाकू से हमला करके हत्या कर दी। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने कथित हत्यारे सहित दो लोगों को हिरासत में लिया है और हत्या के पीछे के कारणों का पता लगाने के लिए उनसे पूछताछ कर रही है। अधिकारी के मुताबिक, आरोपी गोपालपुर थाना क्षेत्र स्थित लड़की के घर में पूर्वाह्न करीब नौ बजे प्रवेश किया। उस समय लड़की के माता-पिता घर पर नहीं थे। उन्होंने बताया कि आरोपी की लड़की से बहस हुई जिसके बाद उसने धारदार हथियार से हमला कर दिया। अधिकारी ने बताया कि पुलिस जब मौके पर पहुंची तो बेरहामपुर स्थित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) की छात्रा का शव खून से लथपथ पाया। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। बेरहामपुर के पुलिस अधीक्षक सरवण विवेक एम ने बताया, हम अपराध का सही कारण जानने के लिए हिरासत में लिए गए

फंदे लटकता मिला दलित मजदूर का शव, परिवार ने लगाया हत्या का आरोप

सहारनपुर जिले में एक दलित मजदूर का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटका हुआ मिला। परिजन ने उसकी हत्या किये जाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सागर जैन ने बताया कि मृतक की पहचान 35 वर्षीय राजेश के रूप में हुई है और वह देवबंद थाना क्षेत्र के जरौदा जाट गांव का निवासी था तथा वह एक स्थानीय किसान के यहां दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम करता था। जैन ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार राजेश रात करीब दो बजे खेतों में ट्यूबवेल चलाने गया था और सुबह अपने खेतों की ओर जा रहे ग्रामीणों ने उसका शव पेड़ पर फांसी के फंदे से लटका हुआ देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। उन्होंने बताया कि फोन आने के तुरंत बाद पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जैन ने बताया, परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया है कि राजेश की हत्या की गई है और आत्महत्या का रूप देने के लिए उसके शव को फंदे से लटका दिया गया है।

सिनेमा देश की संस्कृति की आवाज :पीएम मोदी

वेव्स सम्मेलन

मोदी ने कहा कि एक तरह से आज यहां वैश्विक प्रतिभा और वैश्विक रचनात्मकता के एक वैश्विक पारिस्थितिकी तंत्र की नींव रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि वेव्स एक ऐसा वैश्विक मंच है, जो आप जैसे हर कलाकार, हर निर्माता का है।

एजेंसी

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि वेव्स सम्मेलन अंतरराष्ट्रीय प्रतिभाओं और रचनात्मकता के वैश्विक परिवेशी तंत्र की आधारशिला रखेगा। पीएम मोदी ने यहां पहले विश्व दृश्य श्रव्य और मनोरंजन सम्मेलन (वेव्स) का उद्घाटन करते हुए कहा कि यह भारत में सृजन, विश्व के लिए सृजन का सही समय है जब दुनिया कहानी कहने के नए तरीके तलाश रही है और भारत के पास इस दिशा में काम करने के लिए बहुत कुछ है। प्रधानमंत्री ने रचनात्मक जिम्मेदारी पर जोर देते हुए कहा कि लोगों के जीवन में प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और मानवीय संवेदनाओं को बनाए रखने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा, मनुष्य को रोबोट में नहीं बदलने देना है। हमें उन्हें और अधिक संवेदनशील बनाना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें युवा पीढ़ी को कुछ मानवता विरोधी विचारों से बचाना होगा। मोदी की ये टिप्पणियां विवादास्पद ऑनलाइन सामग्री को लेकर जारी बहस के बीच आई हैं जिसे लेकर उच्चतम न्यायालय ने सरकार से जवाब मांगा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वेव्स में ऐसे समय में एक मंच पर

वेव्स समिट 2025 का पीएम मोदी ने किया उद्घाटन

भारतीय सिनेमा के अनेक दिग्गजों को डाक टिकट के माध्यम से याद किया

पीएम मोदी ने कहा कि आज वेव्स में इस मंच पर हमनें भारतीय सिनेमा के अनेक दिग्गजों को डाक टिकट के माध्यम से याद किया. बीते सालों में मैं कभी गेमिंग की दुनिया के, कभी संगीत की दुनिया के लोगों से, कभी फिल्म निमार्ताओं से, कभी स्क्रीन पर चमकने वाले चेहरों से मिला. इन चचाओं में अक्सर भारत की रचनात्मकता, और वैश्विक सहयोग की बातें उठती थीं. लाल किले से मैंने 'सबका प्रयास' की बात कही है. आज मेरा ये विश्वास और पक्का हो गया है कि आप सभी का प्रयास आने वाले सालों में वेव्स को नई ऊंचाई देगा.

प्रधानमंत्री ने कहा कि स्क्रीन का आकार भले ही छोटा हो रहा हो, लेकिन संदेश (भारतीय कहानियां) बड़ा रूप ले रहा है। उन्होंने कहा कि वेव्स केवल शब्द-संक्षेप नहीं है; यह संस्कृति, रचनात्मकता, फिल्म संगीत, गेमिंग, कहानी कहने की शैली की एक लहर है।

वैश्विक प्रतिभाओं को लाने की क्षमता है, जब भारत फिल्म निर्माण, डिजिटल विषयवस्तु, गेमिंग, फैशन, संगीत और लाइव प्रस्तुतियों के लिए अंतरराष्ट्रीय केंद्र के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि जिस तरह भारतीय खाना लोकप्रिय है, मुझे विश्वास है कि भारतीय गाना भी दुनियाभर में मशहूर होगा। मोदी ने कहा कि वेव्स सम्मेलन पहले ही क्षण से दुनिया का ध्यान आकर्षित कर रहा है। मोदी के मुताबिक, भारत के पास देने के लिए बहुत कुछ है, एक अरब से अधिक आबादी वाला देश होने के अलावा यह एक अरब से अधिक कहानियों का देश भी है।

सेनाओं का मनोबल न गिराएं

पहलगाम अटैक से जुड़ी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से किया इनकार

जस्टिस सूर्यकांत और एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि जिम्मेदार बनो। देश के प्रति तुम्हारा कुछ कर्तव्य है। क्या यही तरीका है.. कृपया ऐसा मत करो। कब से एक सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश ऐसे मुद्दों (आतंकवाद) की जांच करने के लिए विशेषज्ञ बन गए हैं? हम किसी भी बात पर विचार नहीं कर रहे हैं। कृपया आप जहां जाना चाहते हैं, वहां जाएं।

एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की जांच के लिए न्यायिक आयोग के गठन की मांग करने वाली जनहित याचिका दायर करने वाले वकीलों की कड़ी आलोचना की है। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे। जस्टिस सूर्यकांत और एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा, ₹जिम्मेदार बनो। देश के प्रति तुम्हारा कुछ कर्तव्य है। क्या यही तरीका है.. कृपया ऐसा मत करो। कब से एक सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश ऐसे मुद्दों (आतंकवाद) की जांच करने के लिए विशेषज्ञ बन गए हैं? हम किसी भी बात पर विचार नहीं कर रहे हैं। कृपया आप जहां जाना चाहते हैं, वहां जाएं। जस्टिस सूर्यकांत ने आगे कहा, ₹यह वह महत्वपूर्ण समय है जब इस देश का हर नागरिक आतंकवाद से लड़ने के लिए हाथ मिला रहा है। ऐसी कोई प्रार्थना न करें जिससे किसी व्यक्ति का मनोबल गिरे। मामले की संवेदनशीलता को देखें। कुछ देर बहस करने के बाद वकील ने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी। जम्मू-कश्मीर के तीन निवासियों द्वारा दायर याचिका में सर्वोच्च न्यायालय से केंद्र सरकार को आतंकवादी हमले पर जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष जांच दल बनाने का निर्देश देने का भी अनुरोध किया गया। याचिकाकताओं - फतेह कुमार शाहू, मोहम्मद जुनैद और विक्की कुमार - ने केंद्र, जम्मू और कश्मीर, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को केंद्र शासित प्रदेश के पर्यटक क्षेत्रों में नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक कार्य योजना तैयार करने का निर्देश देने की मांग की।

लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई, चुन-चुन कर लिया जाएगा बदला...

पहलगाम के दहशतगर्दों को अमित शाह का कड़ा संदेश

शाह ने कहा कि मैं आज जनता से कहना चाहता हूं कि 90 के दशक से कश्मीर में आतंकवाद चलाने वालों के खिलाफ हम जीरो टॉलरेंस की नीति पर मजबूती से लड़ रहे हैं। आज वो (आतंकवादी) ये न सोचें कि हमारे नागरिकों की जान लेकर उन्होंने जंग जीत ली है।

एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को पहलगाम हमले में शामिल आतंकवादियों को चेतावनी दी कि उन्हें यह नहीं सोचना चाहिए कि उन्होंने युद्ध जीत लिया है। पहलगाम के बाद अपनी पहली सार्वजनिक टिप्पणी में शाह ने कहा कि लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। आतंकवादियों को यह नहीं सोचना चाहिए कि हमारे 27 लोगों को मारने के बाद उन्होंने युद्ध जीत लिया है। उन्होंने एक कार्यक्रम में बोलते हुए कहा कि पहलगाम में नागरिकों की हत्या करने वाले हर एक आतंकवादी की तलाश की जाएगी और उसे दंडित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार आतंकवाद को जड़ से उखाड़ फेंकेगी और पहलगाम आतंकी हमले का जवाब देगी। शाह ने कहा कि मैं आज जनता से कहना चाहता हूं कि 90 के दशक से क श्मीर

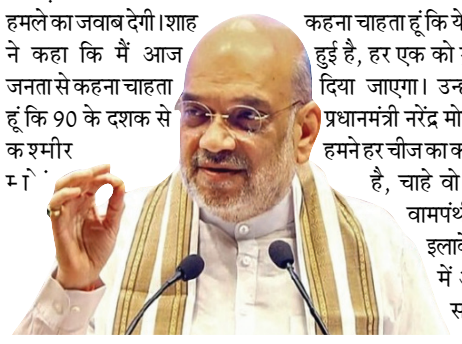

आतंकवाद चलाने वालों के खिलाफ हम जीरो टॉलरेंस की नीति पर मजबूती से लड़ रहे हैं। आज वो (आतंकवादी) ये न सोचें कि हमारे नागरिकों की जान लेकर उन्होंने जंग जीत ली है। मैं आतंक फैलाने वालों से कहना चाहता हूं कि ये जंग खत्म नहीं हुई है, हर एक को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमने हर चीज का कड़ा जवाब दिया है, चाहे वो नॉर्थ ईस्ट हो, वामपंथी उग्रवाद के इलाके हों या कश्मीर में आतंकवाद का साया हो।

अगले 20 दिनों में युद्ध स्तर पर चलेगा सफाई अभियान

एजेंसी

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को स्कूलों, धार्मिक स्थलों, बाजारों में सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया और कहा कि शहर में अतिक्रमण और गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी में 20 दिवसीय सघन सफाई अभियान शुरू करने की घोषणा की और कहा कि शुक्रवार से शुरू होने वाले अभियान के तहत सड़कों, सार्वजनिक स्थलों की दिन में दो बार सफाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार का लक्ष्य बड़े पैमाने पर कचरा अलग-अलग करना, अतिक्रमण हटाना और शुक्रवार से शुरू होने वाले अभियान के दौरान दैनिक निगरानी और रिपोर्टिंग सुनिश्चित करना है।

बिहार चुनाव को लेकर ओवैसी का बड़ा दावा

सक्रिय रूप से लड़ेंगे, पहले से ज्यादा सीटें जीतेंगे

ओवैसी ने आगे कहा कि जाति जनगणना होनी चाहिए ताकि पता चल सके कि कौन सी जाति विकसित है और कौन सी जाति अविकसित है। देश में सकारात्मक कार्रवाई और न्याय के लिए यह बहुत जरूरी है, क्योंकि आपने ओबीसी का आरक्षण सिर्फ.27% पर रोक दिया है, यह पर्याप्त नहीं है।

एजेंसी

बिहार चुनाव को लेकर एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन औवेसी ने बड़ा दावा किया है। ओवैसी ने कहा कि सक्रिय रूप से लड़ेंगे, पहले से ज्यादा सीटें जीतेंगे। ओवैसी ने कहा कि हम बिहार चुनाव लड़ेंगे। हमने बहादुरगंज से अपना उम्मीदवार भी घोषित कर दिया है। 3 मई को बहादुरगंज में मेरी जनसभा है और 4 तारीख को दूसरी जगह पर।

हम अच्छा लड़ेंगे और हमारे उम्मीदवार पिछली बार से भी ज्यादा सफल होंगे और सीमांचल की जनता हमारे विधायकों को चुराने वालों को सबक सिखाएगी। ओवैसी ने आगे कहा कि जाति जनगणना होनी चाहिए ताकि पता चल सके कि कौन सी जाति विकसित है और कौन सी जाति अविकसित है। देश में सकारात्मक कार्रवाई और न्याय के लिए यह बहुत जरूरी है।

रामदेव किसी के वश में नहीं हैं, वह अपनी ही दुनिया में रहते हैं

एजेंसी

दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को योग गुरु बाबा रामदेव को हमदर्द के रूह अफजा को निशाना बनाते हुए कथित तौर पर एक और वीडियो जारी करने के लिए फटकार लगाई। इससे पहले दिए गए निदेशों के बावजूद, उन्होंने कथित तौर पर हमदर्द के उत्पादों को लेकर विवादास्पद शरबत जिहाद टिप्पणी की थी। इससे पहले अदालत ने उन्हें हमदर्द के उत्पादों को लेकर भविष्य में कोई बयान जारी नहीं करने या वीडियो साझा नहीं करने का आदेश दिया था।

भड़के | पहलगाम हमले को लेकर पाकिस्तान पर भड़के फारूक अब्दुल्ला

ये नहीं सोचा भारत के मुसलमानों पर क्या असर पड़ेगा...

एजेंसी

नयी दिल्ली। नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने गुरुवार को पाकिस्तान को एक असफल राज्य करार दिया और कहा कि पाकिस्तान पर अगर उसकी सेना का नियंत्रण है तो वह भारत के साथ कोई दोस्ती नहीं होगी। अब्दुल्ला ने यह भी कहा कि पाकिस्तान के लोग भारत के साथ दोस्ती चाहते हैं, लेकिन देश की सेना ऐसा नहीं चाहती। उन्होंने कहा कि इस स्थिति के कारण सबसे ज्यादा कश्मीरी लोग पीड़ित हैं। एनसी प्रमुख की टिप्पणी पहलगाम आतंकवादी हमले को लेकर दोनों देशों के बीच बिगड़ते संबंधों के मद्देनजर आई है, जिसमें 26 पर्यटकों की जान चली गई थी, जिनमें से 25 भारतीय थे। पहलगाम हमले पर बोलते हुए फारूक

अब्दुल्ला ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह सुरक्षा और खुफिया चूक का मामला था। उन्हें (पाकिस्तान को) यह पसंद नहीं आया कि हम अपनी ज़िंदगी बहुत अच्छी तरह जी रहे हैं। हमारे लोगों में भी दुष्प्रचार फैलाया गया। इसलिए उन्होंने (पाकिस्तान को) यह (पहलगाम हमला) किया। लेकिन उन्होंने इस बात पर ध्यान नहीं दिया कि इसका भारत में मुसलमानों पर क्या असर पड़ने वाला है। पिछले 10 सालों से एक नैरेटिव चल रहा है, मुसलमानों को पूरी तरह से खत्म करने के लिए, हमारी मस्जिदों को जलाने के लिए। हम पहले से ही इससे निपट रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि अब, पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने दो-राष्ट्र सिद्धांत के बारे में बोलकर उकसाया। अगर युद्ध होता है, तो यह बातचीत की मेज पर आएगा, लेकिन बातचीत की मेज पर क्या होगा, यह सिर्फ.अल्लाह जानता है। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारतीय सरकार द्वारा पाकिस्तानी नागरिकों को भारत छोड़ने का आदेश दिए जाने पर जेकेएनसी प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि यह कार्रवाई अच्छी नहीं है, यह मानवता के खिलाफ है। कुछ लोग पिछले 70 सालों, 25 सालों से यहां रह रहे हैं। उनके बच्चे यहां हैं, उन्होंने कभी भारत को नुकसान नहीं पहुंचाया, बल्कि उन्होंने खुद को भारत के हवाले कर दिया है। गत 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने अनंतनाग जिले के पहलगाम के ऊपरी इलाकों में लोकप्रिय पर्यटन स्थल बैसरन में गोलीबारी की, जिसमें 26 लोग मारे गए।

सम्पादकीय

जाति गिनने का निर्णय, जातिगत जनगणना वंचितों-पिछड़ों के उत्थान में सहायक बने

मोदी सरकार ने जातिगत जनगणना कराने का ऐतिहासिक फैसला लिया है। यह निर्णय भारतीय राजनीति और समाज पर गहरा प्रभाव डालेगा। जातिगत जनगणना से वंचितों और पिछड़ों के उत्थान में मदद मिलेगी लेकिन अगर इसका इस्तेमाल जातिवादी राजनीति के लिए किया गया तो देश की एकता प्रभावित होगी। अंततः मोदी सरकार इस नतीजे पर पहुंची कि जातिगत जनगणना करा ली जानी चाहिए। यह भारतीय राजनीति और समाज पर व्यापक प्रभाव डालने वाला निर्णय है। इसके पहले जातिगत जनगणना 1931 यानी अखंड भारत में अंग्रेजी सत्ता ने कराई थी। 2011 में मनमोहन सरकार ने जातिवार जनगणना कराई अवश्य, लेकिन उसमें इतनी जटिलताएं मिलीं कि उसके आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए गए। इसके बाद कुछ राज्यों ने जातियों की गिनती करने के लिए सर्वे कराए, क्योंकि जनगणना कराने का अधिकार केवल केंद्र को ही है। हालांकि भाजपा ने बिहार में जाति आधारित सर्वे का समर्थन किया, लेकिन जातिगत जनगणना को लेकर वह मुखर नहीं रही।आरएसएस ने अवश्य इसका समर्थन किया। तब कांग्रेस और कुछ क्षेत्रीय दल जाति आधारित जनगणना पर जोर देने में लगे हुए थे। सबसे ज्यादा जोर राहुल गांधी दे रहे थे, जबकि नेहरू से लेकर नरसिंह राव तक ने इसकी जरूरत नहीं समझी। यह तय है कि जातिगत जनगणना कराने के फैसले पर जहां कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल इसका श्रेय लेंगे, वहीं भाजपा इसे सामाजिक न्याय केंद्रित अपनी पहल बताएगी।प्रश्न यह है कि जाति आधारित जनगणना सामाजिक न्याय में सहायक बनेगी या फिर जातिवादी राजनीति के नए दरवाजे खोलेगी? यह बहुत कुछ इस पर निर्भर करेगा कि जातिगत जनगणना के आंकड़ों का उपयोग किस तरह किया जाता है।चूंकि जाति भारतीय राजनीति की एक सच्चाई है, इसलिए सैद्धांतिक तौर पर यही उचित दिखता है कि जब सामाजिक कल्याण की योजनाओं के क्रियान्वयन में जातियां एक आधार बनती हैं, तब फिर इसके स्पष्ट आंकड़े होने ही चाहिए कि किस जाति के कितने लोग हैं और उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति क्या है। अभी तक अनुसूचित जातियों-जनजातियों की तो गिनती होती रही, लेकिन अन्य पिछड़ा वर्ग यानी ओबीसी की नहीं। अब सभी जातियों की गिनती होगी। यह गिनती मुस्लिम, ईसाई और अन्य समुदायों में भी होनी चाहिए, क्योंकि कोई दावा कुछ भी करे, जाति और उसके आधार पर विभेद सब जगह है।इससे भी ज्यादा आवश्यक, बल्कि अनिवार्य यह है कि जातिगत जनगणना जातिवाद की राजनीति का हथियार न बने और वह भारतीय समाज को विभाजित न करने पाए।इस अंदेशे को दूर करने के कुछ ठोस उपाय होने ही चाहिए कि जाति आधारित जनगणना जातीय विभाजन का कारण न बनने पाए।

आज का विचार

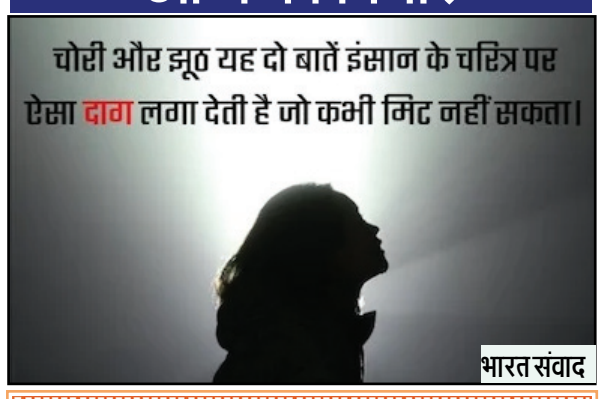

राशिफल

मेष राशि: आपके लिए खास होने वाला है. कल व्यवहार में विनम्रता और लचीलापन ही आपको सफलता दिलायेगा. पारिवारिक रिश्तों में गहराई और अपनापन महसूस हो सकता है. कल आपकी पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती है. कल जमीन जायदाद से जुड़े काम निपट जाएंगे.

वृष राशि: दिन शांत रहेगा. कल आपकी मुलाकात किसी अजनबी से होगी, जिससे आप जीवन की नई सीख लेंगे. आपकी कड़ी मेहनत से लोग प्रभावित होंगे और आपका अनुसरण करेंगे. कल आप ऑफिस के किसी काम में उलझे रहेंगे.

मिथुन राशि: खुशनुमा पलों से भरा रहेगा. कल परिवार से खुशखबरी मिलेगी. ईश्वर की कृपा से कल आपके सभी काम सफल होंगे. कल आपको अपने काम में ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है. आपको प्रोजेक्ट में अपने कलीग की मदद मिलेगी.

कर्क राशि: आपका दिन आपके लिए परिवार के लिए खुशियाँ लाने वाला है. परिवार में आपके अच्छे काम की तारीफ होगी. महिलाओं के लिए कल का दिन बेहद खास रहने वाला है. कल आपके पास बिजनेस को आगे बढ़ाने का अच्छा मौका है. कम्पटीशन की तैयारी कर रहे छात्रों को तैयारी जारी रखनी चाहिए.

सिंह राशि: आपके लिए बढ़िया रहने वाला है. कल आपको कोई नई जानकारी मिलेगी यह जानकारी भविष्य के लिये फायदेमंद साबित होगी. कल आलस व सुस्ती छोड़कर काम में मन लगाने की जरूरत है. बिजनेस बढ़ाने की योजनाओं पर अमल करने के लिए कल का दिन अच्छा है.

कन्या राशि: आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है. कल आपके सोचे हुए काम समय से पूरे होते हुए नजर आ रहे हैं. साथ ही कुछ काम वक्त से पहले पूरे करने की वजह से खुशी मिलेगी.

तुला राशि: आपके लिए दिन शुभ रहने वाला है. कल जिम्मेदारियों को अच्छी तरह निपटाने में आप बहुत हद तक सफल रहेंगे. अपनी तरफ से हर मामले पर आपको सकारात्मक रहना होगा. धैर्य और विनम्रता बनाये रखें.

वृश्चिक राशि: आपके लिये अच्छा रहने वाला है. कल आप धार्मिक गतिविधि में शामिल हो सकते है. किसी विशेष काम में दूसरों के साथ बातचीत या सलाह करने से फायदा होगा. कल जरूरी काम को लेकर उस विषय के जानकार व्यक्ति से विचार करेंगे और योजना बनाएंगे. आपकी योजनाएं सफल होने के योग हैं.

धनु राशि: आपके लिए बढ़िया रहने वाला है. शांति से कामकाज निपटाने की कोशिश करें. कल कोई पुरानी देनदारी निपटा सकते हैं. दूसरों को समझने में बहुत हद तक आपको सफलता मिल सकती है. किसी भी कार्य को करने में धैर्य और समझदारी रखें. परिवार के कामों में आपका पैसा लग सकता है.

मकर राशि: दिन आपके लिये फेवरेबल होने वाला है. कल आपको कुछ ऐसा मिलेगा जिसकी आपको बहुत दिनों से ख्वाहिश थी. कल किसी इम्पोर्टेन्ट विषय में अपने से बड़े या किसी अनुभवी से सलाह लेकर ही आगे बढ़ने की कोशिश करें.

कुंभ राशि : आपके लिए बेहतर रहने वाला है. कोई बुजुर्ग या वरिष्ठ व्यक्ति आपको सही सलाह दे सकता है. कल अपना व्यवहार लचीला रखें और दूसरों की बातें समझने का मन बनाकर चलें तो आपको अच्छी जानकारी मिल सकती है जो आपके बहुत ही काम आएगी.

मीन राशि: आपके लिए खुशहाल रहने वाल है. कल ऑफिस में कामकाज ज्यादा रहेगा. जिसकी वजह से आपको खुद के लिए समय निकल पाना मुश्किल होगा. लेकिन काम समय से पूरा होने से आपको खुशी भी होगी. कल ट्रांसफर या प्रमोशन के लिए किसी से बात हो सकती है. इसमें आपको सफलता मिलने के योग भी हैं. गृहस्थ जीवन की जिम्मेदारियों को निभाने का पूरा प्रयास करेंगे. छात्र अपने अधूरे काम पूरा कर लेंगे.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

प्राथमिकता बने पहलगाम का प्रतिकार, अभी पाकिस्तान को जवाब देने का वक्त

पहलगाम में हिंदू पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के पीछे पाकिस्तान की साजिश का खुलासा हुआ है। पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष जनरल आसिम मुनीर ने हिंदुओं और मुसलमानों को दो अलग कौमें बताकर इस हमले की नींव रखी थी। कश्मीर में पहली बार हिंदुओं पर हुए इस हमले के बाद घाटी में शांति मार्च निकाले गए और बंद रहा। भारत को पाकिस्तान की इस हरकत का मुंहतोड़ जवाब देना चाहिए।

पहलगाम में हिंदू पर्यटकों का संहार भारत में एक बार फिर हिंदू-मुस्लिम विभाजन कराने की पाकिस्तानी सेना की साजिश का हिस्सा है। इसका संकेत पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष जनरल आसिम मुनीर ने 16 अप्रैल को एक भाषण में हिंदुओं और मुसलमानों को हर पहलू से दो अलग कौमें बताकर दिया था। यही बात उन्होंने पिछले शनिवार को पाकिस्तानी सैन्य अकादमी की परेड में दोहराई। हम सब जानते हैं कि पाकिस्तान की इमारत इसी विचार की नींव पर खड़ी की गई थी। यदि इस आतंकी हमले को पाकिस्तानी सेना की विभाजनकारी साजिश मान भी लिया जाए तो भी उसकी सबसे बड़ी नाकामी तो उसी जगह पर हो गई, जिसे उसने लांच पैड बनाया। कश्मीर की घाटी में पिछले 35 वर्षों में ऐसा पहली बार हुआ कि हिंदुओं पर जिहादी हमले की मस्जिदों से भर्त्सना हुई हो, शांति मार्च निकाले गए हों और घाटी में बंद रहा हो। जनरल मुनीर का दो देशों वाला सिद्धांत कोई नया नहीं है। कश्मीर पर पाकिस्तानी दावे का प्रमुख आधार यही रहा है। अनुच्छेद 370 के हटने और विश्व जनमत तथा मुस्लिम जनमत को उसके खिलाफ लामबंद करने में पूरी तरह विफल हो जाने के बाद पाकिस्तान हताशा की स्थिति में है। इसलिए संभव यह भी है कि कश्मीर के मुद्दे को विश्वमंच पर उछालने के लिए जनरल मुनीर के दिमाग में जनरल मुशर्रफ वाला दुस्साहस रहा हो। मुशर्रफ ने राष्ट्रपति क्लिंटन की भारत यात्रा के समय छत्तीसिंहपुरा का आतंकी हमला कराया था। पहलगाम आतंकी हमले लिए भी ऐसा समय चुना गया, जब उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारत की यात्रा पर थे, लेकिन यहां भी जनरल मुनीर के मंसूबे पूरे नहीं हुए। राष्ट्रपति ट्रंप और उपराष्ट्रपति वेंस दोनों ने हमले को आतंकी बताते हुए उसकी कड़ी निंदा की और भारत को पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया।गुलाम जम्मू-कश्मीर के जिहादी आतंकी संगठन प्रतिरोध मोर्चा या टीआरएफ ने पहले तो हमले की जिम्मेदारी ली, लेकिन बढ़ते दबाव के बाद वह मुकर गया। अब पाकिस्तान चोर की दाढ़ी में तिनका की कहावत को चरितार्थ करते हुए किसी बाहरी संस्था से इसकी तटस्थ जांच कराने में मदद करने की पेशकश कर रहा है। भारत को इस पेशकश के झांसे में आने की जरूरत नहीं है। पाकिस्तान यह मांग करके दुनिया को दिखाना चाहता है कि हमले में उसका कोई हाथ नहीं है।भारत के लोग वास्तव में यह जानना चाहेंगे कि पर्यटकों के लिए जून में खोली जाने वाली दुर्गम बैसरन घाटी अप्रैल में किसकी अनुमति से खोली गई और घाटी की दुर्गमता को देखते हुए वहां पुलिस और सेना की सुरक्षा क्यों नहीं थी? एक बड़ा सवाल यह भी है कि दो हजार पर्यटकों को लेकर गए घुड़सवारों और माल बेचने वालों में से किसी ने भी अपने फोन से आतंकियों के वीडियो क्यों नहीं बनाए? इतना सुनियोजित हमला स्थानीय लोगों की मिलीभगत के बिना नहीं हो सकता था तो फिर खुफिया तंत्र को इसकी भनक क्यों नहीं लगी? यह सब क्यों हुआ, कैसे हुआ और किसकी चूक से हुआ, इसकी गहन जांच और दोषियों को सजा भी मिलनी चाहिए, लेकिन पहले पाकिस्तान की हरकत का प्रतिकार करने के बाद। हर काम का वक्त होता है। अभी पाकिस्तान को जवाब देने का वक्त है। ऐसा कहीं नहीं होता कि हमले का प्रतिकार करने से पहले लोग सेना और सरकार से इस्तीफा मांगने लगें। ऐसा न इजरायल में हमास के हमले के बाद हुआ और न अमेरिका में अलकायदा के हमलों के बाद। न ब्रिटेन में हुआ और न फ्रांस में। पूरा देश एकजुट होकर पहले प्रतिकार का समर्थन करता है। कार्रवाई पूरी हो जाने के बाद जांच होती है और जिम्मेदारियां तय होती हैं।जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने विधानसभा के विशेष सत्र में आतंकी हमले की भर्त्सना करने हुए कहा, हालांकि राज्य की सुरक्षा और पुलिस मेरे हाथों में नहीं है। फिर भी, मेजबान के तौर पर उन्हें सुरक्षित वापस भेजने की जिम्मेदारी मेरी थी। मैं वह नहीं निभा पाया। मेरे पास माफी के शब्द नहीं थे। उन्होंने कहा कि ऐसे मौके पर मैं पूर्ण राज्य की मांग भी नहीं दोहराना चाहता। कश्मीर से आतंक का साया हटाने की कुंजी उमर अब्दुल्ला के इस वाक्य में छिपी है, बंदूक से आतंकवाद को नियंत्रित किया जा सकता है, खत्म नहीं। आतंकी हमले को एक सप्ताह बीत चुका है, लेकिन जिहादी आतंकी अभी तक हाथ नहीं आए हैं। किसी के माथे पर लिखा नहीं होता कि वह आतंकी है। जब तक कुछभी लोगों में आतंकियों के लिए सहानुभूति है तब तक उन्हें खोजना आटे से नमक निकालने जैसा है। इसलिए सबसे पहले पंजाब की तरह कश्मीर से आतंकियों के लिए मौजूद सहानुभूति को समाप्त करने की जरूरत है, जो शिक्षा और विचारधारा को बदले बिना और जिहादी आतंकी को आतंकी माने बिना संभव नहीं।वर्तमान परिप्रेक्ष्य में पाकिस्तान सिंधु जलसंधि के स्थगन को अपनी आर्थिक दशा के परिप्रेक्ष्य में मानवीय मुद्दा बनाकर भारत को संयुक्त राष्ट्र के मंचों पर घेरने की कोशिश करेगा। उससे पहले भारत को हमले से मिल रही सहानुभूति का लाभ उठाते हुए वित्तीय कार्यबल एफएटीएफ के मंच पर आवाज उठाकर पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से मिलने वाली आर्थिक मदद रुकवानी चाहिए। असली प्रतीक्षा ऐसे निर्णायक सैन्य प्रतिकार की है, जो उड़ी और पुलवामा की तुलना में और बड़े पैमाने पर हो। ऐसा मुंहतोड़ जवाब 2001 में श्रीनगर विधानसभा और दिल्ली के संसद भवन पर हुए हमलों या फिर 2008 के मुंबई हमले के बाद दिया होता तो पाकिस्तान पहलगाम जैसा हमला कराने की हिम्मत न करता। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई के नाम पर भारत को एक सीमित और सही अनुपात की सैन्य कार्रवाई के लिए अमेरिका, यूरोप, रूस और इजरायल का समर्थन मिल सकता है। पाकिस्तान संहारक अस्त्रों के प्रयोग का दुस्साहस न कर बैठे, यह अमेरिका और सऊदी अरब को मिलकर सुनिश्चित करना होगा। चीन इस समय अमेरिका से चल रहे व्यापार युद्ध में उलझा है और अपनी आर्थिक परेशानियों से जूझ रहा है। इसलिए शायद प्रत्यक्ष रूप से पाकिस्तान की मदद के लिए आगे आने से बचेगा।

जीवन प्रत्याशा पर तपिश की मार

विजय गर्ग

देश इन दिनों हीटवेव की चपेट में है, जिसकी तीव्रता लगातार बढ़ती जा रही है। क्लाईमामीटर की नई रिपोर्ट के अनुसार, 1950 से अब तक की तुलना में वर्तमान हीटवेव औसतन चार डिग्री सेल्सियस अधिक गर्म हो चुकी है। यह अंतर यूरोपीय मौसम एजेंसी कापरनिक्स के आंकड़ों के विश्लेषण से सामने आया है। अध्ययन में स्पष्ट किया गया है कि मौजूदा उष्ण लहरें पहले की तुलना में अधिक घातक हैं और इसके लिए मुख्य रूप से मानव जनित जलवायु परिवर्तन जिम्मेदार है, जो अब मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन चुका है।

हालिया रिपोर्ट के अनुसार, हीटवेव की तीव्रता में वृद्धि के पीछे मानव जनित जलवायु परिवर्तन है। भारत में हीटवेव के साथ-साथ मौसम संबंधी कई बदलाव देखे गए हैं, जैसे सतह के वायु दबाव में वृद्धि, हवाओं की गति में कमी, तापमान पैटर्न में बदलाव और नमी में वृद्धि। रिपोर्ट बताती है कि पिछले 80 वर्षों में महानगरों में अत्यधिक गर्मी वाले दिनों की संख्या तीन गुना बढ़ गई है। जहां 1940 के दशक में समुद्री सतह पर सालाना औसतन 15 दिन अत्यधिक गर्मी दर्ज होती थी, वह अब बढ़कर 50 दिन हो गई है। प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, समुद्री हीटवेव अब अधिक तीव्र और दीर्घकालिक हो गई हैं, जो वैश्विक तापमान वृद्धि का सीधा परिणाम है।

तापमान में निरंतर वृद्धि के चलते घातक लू की घटनाओं में बीते दशकों में तेजी से वृद्धि हुई है। आंकड़ों के अनुसार, हर वर्ष दुनिया भर में औसतन 1.53 लाख से अधिक लोगों की मौत लू के कारण होती है, जिनमें से पांचवां हिस्सा भारत में होता है। इसके बाद चीन और रूस में सबसे अधिक मौतें दर्ज की गई हैं। एशिया में गर्मियों के दौरान होने वाली कुल मौतों में लगभग 50 प्रतिशत और यूरोप में 30 प्रतिशत से अधिक मौतें लू से जुड़ी होती हैं। हालिया अध्ययन से यह भी सामने आया है कि जलवायु परिवर्तन ने अप्रैल महीने में पूरे एशिया में हीटवेव की तीव्रता को काफी बढ़ा दिया है, जिससे अरबों लोग प्रभावित हुए हैं।

स्विट्जरलैंड स्थित ईटीएच ज्यूरिख यूनिवर्सिटी के एक हालिया अध्ययन के अनुसार, यदि प्रतिकूल मौसमी परिस्थितियों की घटनाएं इसी प्रकार बढ़ती रहीं तो भविष्य में लू से संबंधित मौतों की दर और अधिक बढ़ने की आशंका है। वर्ष 2003 में यूरोप में तापमान 47.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था, जिससे लू के कारण 45 हजार लोगों की मौत हुई थी। पिछले 20 वर्षों में यह संख्या एक लाख के करीब पहुंच चुकी है। वर्ष 2013 से किए गए एक वैश्विक अध्ययन में, जिसमें दुनिया के 47 देशों के 748 शहरों में गर्मी से जुड़ी मृत्यु दर के आंकड़े जुटाए गए, यह स्पष्ट हुआ है कि लू की घटनाओं में कहीं भी कमी नहीं आई है। इसके विपरीत, इनसे होने वाली मौतों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है, खासकर यूरोप, दक्षिण एशिया, लैटिन अमेरिका, अमेरिका और कनाडा जैसे क्षेत्रों में बढ़ोतरी हुई है। वैज्ञानिकों ने कार्बन डाइआक्साइड में हुई रिकार्ड बढ़त और तापमान में लगातार होती बढ़ोतरी के चलते हीटवेव की भयावहता की आशंका व्यक्त की है।

हीटवेव की बढ़ती तीव्रता और घातकता के चलते देश की 80 प्रतिशत आबादी और 90 प्रतिशत क्षेत्रफल इसके जोखिम की जद में आ सकता है। यदि इससे निपटने के लिए त्वरित कदम नहीं उठाए गए तो भारत को सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, हीटवेव मानव स्वास्थ्य के लिए अत्यधिक खतरनाक है, जिससे डिहाइड्रेशन, हीटस्ट्रोक और मृत्यु तक हो सकती है। हीटवेव से सबसे अधिक खतरा बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं, फेफड़ों की बीमारी से ग्रस्त लोगों, और निर्माण व श्रम कार्यों से जुड़े लोगों को होता है। पहले से बीमार लोग विशेष रूप से अधिक संवेदनशील होते हैं और उन्हें अतिरिक्त सतर्कता बरतने की आवश्यकता है।

बीते वर्षों में हीटवेव ने हर महाद्वीप को प्रभावित किया है, जिससे जंगलों में आग की घटनाओं में भारी वृद्धि हुई है। साल 2022 का अप्रैल बीते 122 वर्षों में सबसे गर्म रहा। अनुमान है कि आने वाले 26 वर्षों में लगभग 60 करोड़ लोग इससे सर्वाधिक प्रभावित होंगे। इससे 31 से 48 करोड़ लोगों की जीवन गुणवत्ता में गिरावट आएगी। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, पिछला दशक अब तक का सबसे गर्म दशक रहा है और 2025 में वैश्विक गर्मी के नए रिकॉर्ड बनने की आशंका है। यदि तापमान वृद्धि को नियंत्रित नहीं किया गया, तो सदी के अंत तक गर्मी के कारण 1.5 करोड़ लोगों की जान जोखिम में पड़ सकती है।

कोलंबिया यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के अनुसार, प्रमुख जीवाश्म ईंधन कंपनियों द्वारा अत्यधिक तेल और गैस उत्सर्जन से वैश्विक तापमान खतरनाक स्तर तक पहुंचने की आशंका है। यदि मौजूदा उत्सर्जन स्तर 2050 तक जारी रहा, तो 2100 तक यह स्थिति लाखों लोगों की मौत का कारण बन सकती है। शोध बताता है कि हर एक मिलियन टन कार्बन उत्सर्जन से 226 अतिरिक्त हीटवेव घटनाओं में वृद्धि होती है। संयुक्त राष्ट्र की जलवायु समिति का कहना है कि वैश्विक तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के लिए 2030 तक कार्बन उत्सर्जन में 43 प्रतिशत की कटौती अनिवार्य है। लेकिन धरती की गर्म होने की रफ्तार अनुमानों से कहीं ज्यादा तेज है। यदि उत्सर्जन पर अंकुश नहीं लगा, तो सदी के अंत तक तापमान 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है, जिससे धरती की जीवन-योग्यता ही संकट में पड़ सकती है।

बीमारियों के आगे हारती दवाइयां

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) ने रोगाणुरोधी प्रतिरोध यानी एएमआर (एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध) को मानवता के सामने शीर्ष दस वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरों में से एक घोषित किया है। एएमआर तब होता जब बैक्टीरिया, विषाणु और कुछ परजीवी जैसे सूक्ष्म जीव एंटीबायोटिक्स जैसे रोगाणुरोधी द्वारा मारे जाने का प्रतिरोध करने के लिए तंत्र विकसित करते हैं।इस प्रकार संक्रमण बना और दूसरों में फैलता रहता है। जीवाणुरोधी घटक का तेजी से दुनिया के सार्वजनिक स्वास्थ्य संकटों के रूप में उभरने के साथ जलवायु परिवर्तन के बाद दूसरे स्थान पर 'डायग्नोस्टिक स्टीवर्डशिप' यानी दवाओं के उचित प्रयोग की भूमिका को न समझना है। दवाओं का उपयुक्त और बेहतर इस्तेमाल का तरीका और उसके गुण-दोषों को न जानने की वजह से शरीर कई तरह की बीमारियों का घर तो बनता ही है, वे दवाएं भी काम करना बंद कर देती हैं, जो तो शुरूआत में बेहतर असर कर रही थीं। यह समस्या दुनिया भर में है। संगठन के मुताबिक यह वैश्विक स्वास्थ्य खतरा व्यापक स्तर पर बढ़ने की आशंका है।दुनिया के सभी मुल्कों को प्राथमिकता के तौर पर इस पर गौर करना चाहिए। कोरोना के वक्त कोविड-19 का महज लक्षण के आधार पर इलाज होने के बावजूद लाखों की संख्या में लोगों की मौत हो गई थी। अमेरिका, इटली, चीन और भारत प्रमुख देश थे, जहां कोरोना का असर व्यापक था। तभी से यह लगने लगा था कि भविष्य में नई बीमारियों की वजह से उपयुक्त दवाओं के न मिलने या दवा का असर मामूली होने की वजह से हर वक्त लोगों में दहशत बनी रह रह सकती है।जीवाणुरोधी घटक की जटिलता का अनुमान इससे लगाया जाता है कि रोगाणुरोधी दवाओं के प्रतिरोध विकसित होने या हो जाने के बाद संक्रमण का इलाज करना मुश्किल या कभी-कभी असंभव भी जाता है। जाहिर तौर पर बीमार व्यक्ति उपयुक्त इलाज के अभाव में धीरे-धीरे तड़प-तड़प कर दम तोड़ देता है। देखा जाता है कि एलोपैथी में ऐसी अनेक दवाएं हैं, जो एक सीमा के बाद काम करना बंद कर देती हैं। नई बीमारियों के इलाज में नई दवाएं कितनी कारगर होंगी, यह उनके इस्तेमाल के बाद ही पता चलता है। अब चिंता इस बात की है कि कोविड-19 के बाद दुनिया में दहशत पैदा करने वाली नई-नई बीमारियां पैदा हो रही हैं। कभी इनकी शुरूआत चीन से हुई, तो कभी अफ्रीकी देशों से, लेकिन दुनिया के तमाम देशों में इनके प्रति दहशत का एक माहौल थोड़े ही दिन में बन जाता है। ऐसे हालात दुनिया में शायद कभी नहीं रहे, जैसे आज हैं। सवाल है कि रोगाणुरोधी प्रतिरोध यानी एएमआर चिंता का विषय क्यों है? यह चिंता का विषय इसलिए है कि रोगाणुरोधी एजेंटों के प्रति प्रतिरोध के क्रमिक और बढ़ते विकास के साथ, कई दवाइयां संक्रमणों का इलाज करने की अपनी क्षमता खो रही हैं।

इससे विज्ञान और चिकित्सा में वर्षों की प्रगति से प्राप्त लाभों का उलट होने का खतरा है। इसके बढ़ते खतरों को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चेतावनी दी है कि दवा प्रतिरोधी बीमारियों की वजह से 2050 तक एक करोड़ लोगों की असमय मौत हो सकती है। 'लॅसेट' पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार 2019 में चालीस लाख 19 हजार मौतें रोगाणुरोधी प्रतिरोध से जुड़ी थीं। अध्ययन बताता है कि किसी भी व्यक्ति को, जीवन के किसी भी चरण में जीवाणुरोधी तत्त्व असर डाल सकते हैं। ये इतनी तेजी से विकसित हो रहे हैं कि नए एंटीबैक्टीरियल एजंट' विकसित होने की गति से भी आगे निकल गए हैं। अध्ययन बताता है कि व्यापार और यात्रा के माध्यम से वैश्विक संपर्क बढ़ने के साथ विकसित एएमआर दुनिया भर में फैलने की आशंका बढ़ गई है।यदि हम रोगाणुरोधी प्रतिरोध का समाधान नहीं करते हैं, तो नियमित चिकित्सा प्रक्रिया और शल्य चिकित्सा सुरक्षित रूप से करने की क्षमता भी खो देंगे।

33 साल से महाराष्ट्र में रह रही 'माधुरी' को गुजरात भेजने का विवाद, बॉम्बे हाई कोर्ट पहुंचा केस

- महादेवी हथिनी के गुजरात ट्रांसफर का केस बॉम्बे हाई कोर्ट पहुंचा
- माधुरी के मालिकाना हक को लेकर संस्था ने कोर्ट में चुनौती दी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः महाराष्ट्र में 33 वर्षों से रह रही हथिनी महादेवी (माधुरी) को गुजरात भेजने का विवाद बॉम्बे हाई कोर्ट पहुंच गया है। वन विभाग की हाई पावर कमिटी ने माधुरी की सेहत से जुड़ी रिपोर्ट के आधार पर उसे शिफ्ट करने का आदेश 27 दिसंबर 2024 को जारी किया था। इस निर्णय का आधार प्राणियों के अधिकारों के संरक्षण के लिए काम करने वाली संस्था पीटा का पत्र था। अब हाई कोर्ट ने ल्हढउ को माधुरी को जामनगर स्थित राधे कृष्णा एलीफैंट टेम्पल वेलफेयर ट्रस्ट में भेजने से पहले हथिनी का मालिकाना हक रखने वाली संस्था का पक्ष सुनने का निर्देश दिया है। कोर्ट में मामले की अगली सुनवाई 17 जून को होगीनहीं सुना गया संस्था का पक्ष

HPC के आदेश को स्वस्तश्री जिन सेन भट्टार्क पट्टाचार्य महास्वामी संस्था ने कोर्ट में चुनौती दी है। याचिका में संस्था ने दावा किया है कि माधुरी साल 1992 से उनके साथ है। संस्था ठीक ढंग से माधुरी का ख्याल रख रही है। माधुरी के मालिकाना हक के संबंध में संस्था के पास वाइल्ड लाइफ प्रोटेक्शन ऐक्ट की धारा 40(2) का जरूरी घोषणा पत्र भी है। बड़ी संख्या में लोगों की आस्था माधुरी पर है। ऐसे में माधुरी को गुजरात ट्रांसफर करने का आदेश अपेक्षित नहीं था। माधुरी को शिफ्ट करने का आदेश जारी करने से पहले संस्था के पक्ष को नहीं सुना गया है।

अगले दशक में 100 अरब डॉलर का होगा भारतीय मीडिया और मनोरंजन उद्योग : मुकेश अंबानी

मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत एक अग्रणी डिजिटल राष्ट्र बन गया है: मुकेश अंबानी

रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी का मानना है कि अगले दशक तक भारतीय मीडिया और मनोरंजन उद्योग चार गुना की वृद्धि दर्जा कर सकता है। यानी 100 अरब डॉलर से अधिक का आकंड़ा छू सकता है। अभी यह बाजार करीब 28 अरब डॉलर का है। मुकेश अंबानी ने कहा कि भारत के सुपर-टैलेंटेड युवा वैश्विक मनोरंजन उद्योग पर राज करेंगे।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई। रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी का मानना है कि अगले दशक तक भारतीय मीडिया और मनोरंजन उद्योग चार गुना की वृद्धि दर्जा कर सकता है। यानी 100 अरब डॉलर से अधिक का आकंड़ा छू सकता है। अभी यह बाजार करीब 28 अरब डॉलर का है। मुकेश अंबानी मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित हो रहे वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट 2025 में बोल रहे थे।

प्रधानमंत्री मोदी के दुरदर्शी नेतृत्व में डिजिटल राष्ट्र बना

प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत एक अग्रणी डिजिटल राष्ट्र बन गया है। कहानी कहने की कला और डिजिटल तकनीकों के मिश्रण ने भारत के मनोरंजन और सांस्कृतिक प्रभाव और पहुँच को बढ़ा दिया है।अक और इमर्सिव तकनीकों के उपकरण हमारी कहानियों को पहले से कहीं अधिक आकर्षक बना सकते हैं - और उन्हें तुरंत विभिन्न भाषाओं, देशों और संस्कृतियों के दर्शकों तक पहुँचा सकते हैं। मुझे विश्वास है कि भारत के सुपर-टैलेंटेड युवा वैश्विक मनोरंजन उद्योग पर राज करेंगे।

पहलगाम में बर्बर आतंकवादी हमले की निंदा

पहलगाम में हाल ही में हुए बर्बर आतंकवादी हमले पर बोलते हुए मुकेश अंबानी ने कहा हम सभी पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। प्रधानमंत्री जी का कठिन परिस्थितियों में भी यहां आना एक मजबूत संदेश देता है। मोदी जी, शांति, न्याय और मानवता के दुश्मनों के खिलाफ इस लड़ाई में आपको 145 करोड़ भारतीयों का पूरा समर्थन है। भारत की जीत भी निश्चित है हमारे पास कालातीत कहानियों का विशाल खजानाउन्होंने आगे कहा कि वेव्स इनोवेशन, संस्कृति और सहयोग का ग्लोबल हब बनने को तैयार है। 5,000 से अधिक वर्षों की हमारी सभ्यतागत विरासत में, हमारे पास कालातीत कहानियों का विशाल खजाना मौजूद है - रामायण और महाभारत से लेकर दर्जनों भाषाओं में लोककथाएँ और क्लासिक्स हैं।

फास्ट ट्रैक

अक्षय तृतीया पर मुंबई में बिके 1401 घर, 24 घंटे में सरकार को मिले करोड़ रुपये

- अक्षय तृतीया पर मुंबई में 1,401 घरों की बिक्री हुई
- मुंबई में अप्रैल 2025 में रजिस्ट्रेशन का नया रिकॉर्ड बना
- सरकार को 1,095 करोड़ रुपये का राजस्व स्टैंप ड्यूटी से मिला

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः अक्षय तृतीया के दिन घरों की खूब बिक्री होने से डिवेलपर्स के साथ ही सरकार भी मालामाल हो गई है। अक्षय तृतीया पर मुंबई में 1,401 घरों की बिक्री होने से एक ही दिन में सरकार की 160 करोड़ रुपये की कमाई हुई है। मुंबई प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन विभाग के अनुसार, त्योहार के मौके पर घरों की बिक्री बढ़ने से मुंबई में प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन का आकड़ा रात 8 बजे तक 12,914 तक पहुंच गया है। घरों की अधिक बिक्री होने से बीते सभी अप्रैल की तुलना में 2025 के अप्रैल में घरों की ऑल टाइम हाई बिक्री हुई है। पिछले साल अप्रैल में सबसे अधिक 11,648 प्रॉपर्टीज के रजिस्ट्रेशन हुए थे। वहीं, इस वर्ष अप्रैल में 12,914 रजिस्ट्रेशन होने से पिछले साल का रिकॉर्ड टूट गया है। आम तौर पर मुंबई में रोजाना 400 के करीब रजिस्ट्रेशन होते हैं।

1,266 अधिक रजिस्ट्रेशन

रजिस्ट्रेशन विभाग के अनुसार, अप्रैल 2024 में 11,648 प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन होने से सरकारी खजाने में 1,057 करोड़ रुपये जमा हुए थे। अप्रैल, 2025 में पिछले अप्रैल की तुलना में 1,266 अधिक रजिस्ट्रेशन हुए है। 12,914 घरों की बिक्री होने से सरकार को स्टैंप ड्यूटी और रजिस्ट्रेशन फीस के तौर पर 1,095 करोड़ रुपये का राजस्व मिला है। घरों की बिक्री बढ़ने से इस साल मार्च के बाद अप्रैल में स्टैंप ड्यूटी के तौर पर सरकार को 1 हजार करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व मिला है।

घरों की अच्छी बिक्री

दोस्ती रियल्टी के डायरेक्टर अनुज गोराडिया के अनुसार, अक्षय तृतीया पारंपरिक रूप से संपत्ति से जुड़ा हुआ है। शुभ दिन होने की वजह से घरों की अच्छी बिक्री हुई है। ग्राहक जारी प्रोजेक्ट या पूरा होने की स्थिति में पहुंचे प्रोजेक्ट में अधिक रूचि दिखा रहे हैं। प्रॉपर्टी की बढ़ती कीमत अच्छा किराया मिलने के कारण पिछले साल की तुलना में गंभीर ग्राहकों की संख्या बढ़ी है। अच्छे रिटर्न की वजह से पहली बार घर खरीदने वाले और मौजूदा घर मालिक बेहतर सुविधा के लिए टाउनशिप में अपग्रेड कर रहे है।

घरों की बिक्री में 1.6 फीसदी का इजाफा

आर्केड डिवेलपर्स लिमिटेड के चेयरमैन अमित जैन के अनुसार, पिछले साल की तुलना में घरों की बिक्री में 1.6 फीसदी का इजाफा हुआ है। जारी इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट और बेहतर कनेक्टिविटी होने का फायदा हाउसिंग सेक्टर को मिल रहा है।

बीजे मेडिकल कॉलेज में रैगिंग का मामला, जुनियर्स की रैगिंग लेने के आरोप में तीन छात्र निलंबित

पुणे के बीजे मेडिकल कॉलेज में रैगिंग का मामला सामने आया है। आथोर्पेडिक्स विभाग के तीन पीजी छात्रों को एक जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर की रैगिंग के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। जूनियर डॉक्टर ने वरिष्ठ रेजिडेंट पर कई दिनों से परेशान करने और ठंडा या गर्म पानी डालने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

पुणे। पुणे के ससून जनरल अस्पताल से संबद्ध बीजे मेडिकल कालेज में रैंगिग का मामला सामने आया है। यहां के आथोर्पेडिक्स विभाग के तीन स्नातकोत्तर (पीजी) छात्रों को एक जूनियर रेजिडेंट डाक्टर की रैंगिग के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई प्रथम वर्ष के जूनियर डाक्टर और उसकी मां द्वारा शिकायत करने के बाद की गई। शिकायत के अनुसार, जूनियर डाक्टर को कई दिनों से वरिष्ठ रेजिडेंट परेशान कर रहे थे। आरोप है कि वरिष्ठों ने कई बार उसे अपने सिर पर ठंडा या गर्म पानी डालने के लिए मजबूर किया।सोमवार को मिली थी मामले की शिकायतशुरूआत में छात्र ने इस मामले की सूचना विभागाध्यक्ष डॉ. गिरीश बार्टके और बाद में ससून अस्पताल के डीन डॉ. एकनाथ पवार को दी। जब इस मामले में कार्रवाई नहीं हुई तो छात्र के स्वजन ने मुंबई में चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान निदेशालय (डीएमईआर) से संपर्क किया। इस बीच, मीडिया से बातचीत करते हुए पवार ने कहा कि उन्हें सोमवार को इसकी शिकायत मिली थी। इसके बाद तुरंत बैठक बुलाई गई और आरोपित छात्रों को निलंबित कर दिया गया। उन्हें हास्टल से भी निकाल दिया गया है।राज्य स्वास्थ्य मंत्रालय के हस्तक्षेप के बाद एक्शन में आया प्रशासन बताया गया है कि राज्य स्वास्थ्य मंत्रालय के हस्तक्षेप के बाद कालेज प्रशासन हरकत में आया। उसने तुरंत एंटी रैंगिग कमेटी की बैठक बुलाई। मंगलवार देर रात मामले की विस्तृत जांच की गई। शिकायतकर्ता और आरोपित छात्रों के बयान दर्ज किए गए। कमेटी द्वारा प्रस्तुत जांच रिपोर्ट के आधार पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई।डॉ. पवार ने जांच रिपोर्ट के आधार पर तीन स्नातकोत्तर छात्रों को निलंबित करने की पुष्टि की है। एंटी रैंगिग कमेटी में 15 से 20 सदस्य थे। जांच में यह बात सामने आई है कि छात्र का उत्पीड़न लगभग आठ-दस दिन से लगातार किया जा रहा था।

मेहुल चोकसी की बढ़ी मुश्किलें, 55 करोड़ के धोखाधड़ी मामले में गैर-जमानती वारंट जारी

भगोड़ा हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी के खिलाफ मुंबई की एक अदालत ने गैर-जमानती वारंट जारी किया है। ये मामले में 55 करोड़ के लोन धोखाधड़ी से जुड़ा है। बता दें कि मेहुल चोकसी को हाल ही में बेल्जियम में गिरफ्तार किया गया था। भारतीय जांच एजेंसियों की ओर से प्रत्यर्पण के लिए अनुरोध किया गया है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई। भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी की मुसीबतें और बढ़ने वाली हैं। दरअसल, मुंबई की एक अदालत ने केनरा बैंक के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम से जुड़े ऋण धोखाधड़ी मामले में मेहुल चोकसी के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है। यह धोखाधड़ी लगभग 55 करोड़ रुपये की है।

बेल्जियम में हुआ था गिरफ्तार

भारतीय जांच एजेंसियों की ओर से प्रत्यर्पण के लिए अनुरोध किए जाने के बाद चोकसी को 12 अप्रैल को बेल्जियम में गिरफ्तार किया गया था। उसके खिलाफ यह गैर-जमानती वारंट हाल ही में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एस्प्लेनेड कोर्ट) आरबी ठाकुर द्वारा जारी किया गया।

क्या हैं आरोप?

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने आरोप लगाया है कि केनरा बैंक और बैंक आफ महाराष्ट्र ने बेजेल ज्वैलरी को कंसोर्टियम समझौते के तहत कार्यशील पूंजी सुविधाओं के रूप में 30 करोड़ रुपये और 25 करोड़ रुपये मंजूर किए थे। सीबीआई के अनुसार, यह ऋण सोने और हीरे जड़े आभूषणों के निर्माण और बिक्री के लिए दिया गया था। लेकिन, कंपनी ने कथित तौर पर इसका इस्तेमाल इच्छित उद्देश्यों के लिए नहीं किया। जांच एजेंसी ने आरोप लगाया है कि कंपनी ने ऋण नहीं चुकाया, जिससे कंसोर्टियम को 55.27 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

पीएनबी घोटाले में मुख्य आरोपी चोकसी

चोकसी और उसका भतीजा नीरव मोदी 13,500 करोड़ रुपये के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) "धोखाधड़ी" में भी मुख्य आरोपित हैं। जहां एक ओर चोकसी बेल्जियम की एक अदालत में जमानत के लिए कानूनी लड़ाई लड़ रहा है, वहीं नीरव मोदी 2019 से लंदन की जेल में बंद है।

वकील पिता, प्रोफेसर मां के आईपीएस बेटे देवेन पर मुंबई के सुरक्षा की बड़ी जिम्मेदारी

- देवेन भारती बने मुंबई पुलिस के 49वें पुलिस आयुक्त
- मिथिला समाज ने आयुक्त बनने पर जताई खुशी
- मुंबई में कानून व्यवस्था को बनाए रखने की चुनौती

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः करीब 56 साल पहले मिथिला यानी उत्तरी बिहार की सांस्कृतिक नगरी दरभंगा के मिश्रा टोला स्थित सकमापुल इलाके में जन्मे तीन भाई और तीन बहनों में सबसे बड़े कढर देवेन भारती ने बुधवार शाम को मुंबई पुलिस के 49वें पुलिस आयुक्त का पदभार ग्रहण किया। पटना हाई कोर्ट के वकील स्व. त्रिपुरारी शरण श्रीवास्तव और मिथिला यूनिवर्सिटी की हिंदी संकाय की प्रफेसर रहीं स्व. डॉ. भारती श्रीवास्तव के लाडले बेटे बुल्लू बचपन से बेहद मेधावी छात्र रहे।देवेन भारती के बचपन का नाम बुल्लूदर असल IPS देवेन भारती के बचपन का नाम बुल्लू है, जिनके रिश्तेदार आज भी इन्हें इसी नाम से बुलाते हैं। देवेन यानी बुल्लू का बचपन दरभंगा जिले के ही किला घाट स्थित सेनापत इलाके में बीता, जो उनका ननिहाल है। ममेरे भाई शिरीष चंद्र और मनीष चंद्र के साथ इन्होंने दरभंगा पब्लिक कॉन्वेंट स्कूल में पढ़ाई की।बिहार में दरभंगा के हैं रहने वालेदरभंगा निवासी और देवेन के पड़ोसी इंजिनियर रतन किशोर वर्मा बताते हैं कि 10 साल की उम्र में देवेन ने प्रतिष्ठित नेतरहाट परीक्षा पास की और नेतरहाट आवासीय स्कूल से ही इन्होंने मैट्रिक (दसवीं) की। फिर, दिल्ली जाकर देवेन ने दिल्ली स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स से स्नातक और मास्टर्स की पढ़ाई की।1994 में कढर बन देवेन महाराष्ट्र कैडर जॉइन किए। देवेन को दरभंगा से काफी लगाव है। तीन साल पहले वे दरभंगा गए थे।

मोदी सरकार के फैसले पर आरएसएस की पहली प्रतिक्रिया, बोले सुरेश भैया जी जोशी

आजादी के बाद देश में पहली बार जाति जनगणना कराने के फैसले पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। बुधवार को कैबिनेट की बैठक में केंद्र सरकार ने जाति जनगणना कराने का फैसला किया था। आरएसएस के वरिष्ठ नेता सुरेश भैयाजी जोशी ने इस पर अपनी राय व्यक्त की है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

- देश में जाति जनगणना कराएगी मोदी सरकार
- कैबिनेट की बैठक में सरकार का बड़ा फैसला
- आरएसएस की तरफ से आई पहली प्रतिक्रिया

नागपुरः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली केंद्र सरकार ने देश में जाति जनगणना कराने का अप्रत्याशित फैसला लिया है। 30 अप्रैल को कैबिनेट की बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी जानकारी दी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने जाति जनगणना कराने के फैसले का स्वागत किया है। राहुल गांधी ने कहा है कि हम इस कदम का स्वागत करते हैं. इस दौरान उन्होंने आरक्षण पर 50 फीसदी की सीमा हटाने की मांग भी दोहराई। केंद्र सरकार द्वारा जाति जनगणना कराने के फैसले पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। नागपुर में आरएसएस के वरिष्ठ नेता सुरेश भैयाजी जोशी ने कहा कि देश के लिए जो भी जरूरी है, वह किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी से मिले थे संघ प्रमुखप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली केंद्र सरकार ने देश में जाति जनगणना का फैसला ऐसे वक्त पर लिया है जब पूरे देश में पहलगाम की घटना को लेकर आक्रोश है। पीएम मोदी ने आतंकी हमले का बदला लेने के लिए सेना को पूरी खुली छूट दी है। जाति जनगणना पर सरकार के बड़े फैसले से पहले मंगलवार को संघ प्रमुख मोहन भागवत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास गए थे। यह प्रधानमंत्री आवास के लिए पहली यात्रा थी। इसके एक दिन बाद सरकार ने जाति जनगणना का फैसला लिया है। राजनीतक विश्लेषक इसे विपक्ष की जाति जनगणना की मांग को खत्म करने और बिहार के चुनावों से जोड़कर देख रहे हैं। बिहार में इसी साल चुनाव हैं।फडणवीस ने किया फैसले का स्वागत

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने देश में जाति जनगणना कराए जाने के फैसले का स्वागत किया है। देश मं 2011 के बाद जनगणना नहीं हुई है। फडणवीस ने एक वीडियो संदेश में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी सरकार द्वारा लिया गया जातिगत जनगणना का निर्णय ऐतिहासिक है। कांग्रेस ने वर्षों तक जातिगत जनगणना की मांग को मंजूरी बिना ही राजनीति की। परन्तु प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी जातिवार जनगणना को स्वीकृति देते हुए सामाजिक न्याय का एक नया युग शुरू हुआ है।इसके लिए माननीय। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का हार्दिक आभार। प्रधानमत्री नरेंद्र मोदी महाराष्ट्र दिवस यानी 1 मई को मुंबई में रहेंगे।

पत्नी और सास ने मकान पर किया कब्जा

बागपत में पति ने लगाया मारपीट और हत्या के प्रयास का आरोप

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

बागपत, शहर कोतवाली क्षेत्र की माता कॉलोनी में एक पति ने अपनी पत्नी और सास पर गंभीर आरोप लगाए हैं। नाजिम ने कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है। नाजिम का कहना है कि शादी के कुछ दिन बाद ही उसकी पत्नी ने अपनी मां को घर पर बुला लिया। इतना ही नहीं, अपनी शादीशुदा बहन को भी वहीं रखा। उसका आरोप है कि अब उनके मकान पर पूरी तरह से कब्जा कर लिया गया है। पीड़ित ने बताया कि जब वह इसका विरोध करता है, तो उसके साथ मारपीट की जाती है। उस पर रस्सी से गला दबाकर हत्या का प्रयास भी किया गया। अब उसे उसके अपने ही घर में घुसने नहीं दिया जा रहा है। नाजिम ने बताया कि मकान उसी के नाम पर है। पीड़ित ने पुलिस से मकान को कब्जा मुक्त कराने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है और आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

छात्रा बोली- हिजाब पहनकर पहुंची तो एडमिशन से रोका स्कूल मैनेजमेंट बोला- सारे आरोप गलत हैं

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मेरठ, एक छात्रा ने आरोप लगाया है कि हिजाब पहनकर स्कूल पहुंची तो एडमिशन देने से रोक दिया गया। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। वीडियो मेरठ के थापर नगर स्थित खालसा गर्ल्स इंटर कॉलेज का बताया जा रहा है। इसमें छात्रा स्कूल ऑफिस में बैठी है। उसकी एक टीचर से बहस होती दिख रही है। सोशल मीडिया पर खालसा स्कूल का एक वीडियो सामने आया। वीडियो में स्कूल ऑफिस में बैठी एक टीचर दिख रही हैं। जिनकी वीडियो बनाने वाली छात्रा से बहस हो रही है। छात्रा ने यह वीडियो बनाने के बाद इसे सोशल मीडिया पर पोस्ट करवाना शुरू कर दिया। छात्रा का आरोप है कि स्कूल में उसे हिजाब उतारने को कहा गया। जबकि, ऐसा कोई नियम नहीं हैं। स्कूल मैनेजमेंट का कहना है कि हिजाब उतारने जैसी कोई बात नहीं हुई। हमारे यहां कई मुस्लिम बच्चियां पढ़ती हैं। सभी के लिए स्कूल में समान नियम है। यह वीडियो गलत वायरल किया जा रहा है। जानबूझकर स्कूल की छवि खराब करने के लिए यह वीडियो बनाकर शेयर किया गया है।

दंगल के दौरान युवक पर हमला

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मेरठ, कंकरखेड़ा में अवैध दंगल के दौरान हुई मारपीट मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग तेज हो गई है। पीड़ित पक्ष ने एसएसपी कार्यालय पर प्रदर्शन किया। खंडोली गांव निवासी सत्येंद्र कुमार वाल्मीकि ने बताया कि पांच दिन पहले दानिश सैफी ने गांव में अवैध दंगल का आयोजन किया था। इस दौरान दानिश और उसके साथियों ने सत्येंद्र पर हमला कर दिया। पीड़ित ने थाने में मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने आरोपी को केवल शांति भंग की धाराओं में चालान कर छोड़ दिया।

मुंबई सेंट्रल - कटिहार विशेष गाड़ी के फेरों का विस्तार

गाड़ी क्र.	आरंभिक स्टेशन तथा गंतव्य	संचालन के दिवस	तक विस्तारित
09189	मुंबई सेंट्रल – कटिहार (साप्ताहिक)	शनिवार	31.05.2025
09190	कटिहार – मुंबई सेंट्रल (साप्ताहिक)	मंगलवार	03.06.2025

ठहराव, संयोजन और समय-सारिणी के बारे में विस्तृत जानकारी के लिये यात्रीगण कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in का अवलोकन करें.

सभी पीआरएस काउंटर्स पर और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर **गाड़ी सं. 09189** के विस्तारित फेरों के लिये बुकिंग **02.05.2025** से शुरू होगी. उपरोक्त गाड़ी को विशेष किराए पर विशेष गाड़ी के तौर पर संचालित किया जाएगा.

पश्चिम रेलवे
www.wr.indianrailways.gov.in
Like us on: facebook.com/WesternRly
Follow us on: X.com/WesternRly

PLEASE CARRY ORIGINAL ID PROOF FOR ALL RESERVED TICKETS

जिला परिषद ठाणे में महाराष्ट्र दिवस मना

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , 66 वें महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर प्रशासक तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद ठाणे रोहन घुगे द्वारा वागले एस्टेट स्थित जिला परिषद भवन के परिसर में ध्वजारोहण कर सलामी दी गई। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राष्ट्रगान एवं राज्यगान गाकर ध्वज को सलामी दी। परियोजना निदेशक छायादेवी शिसोदे, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अविनाश फड़तरे, मुख्य लेखा और वित्त अधिकारी वैजनाथ बुरडकर, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गंगाधर पारगे, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (जीआरपी) प्रमोद काले, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (जल आपूर्ति और स्वच्छता विभाग) प्रकाश सासे, जिला कार्यक्रम अधिकारी संजय बागुल, शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) ललिता दहीतुले, शिक्षा अधिकारी (प्राथमिक) बालासाहेब राक्षे, उप कार्यकारी अभियंता सुनील बछाव आदि उपस्थित थे। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को महाराष्ट्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। सामान्य प्रशासन विभाग के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कार्यक्रम की अच्छी तैयारी की थी। कार्यक्रम का संचालन अनिल सूर्यवंशी ने किया।

उल्हास नदी में बाढ़ से बचाव एवं बाढ़ आपदा प्रबंधन हेतु 4 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

उल्हासनगर. उल्हास नदी में संभावित बाढ़ से बचाव एवं बाढ़ आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से उमाई रक्षक दल एवं उल्हास नदी बचाव कृती समिति द्वारा आयोजित 1 से 4 मई तक चलने वाले चार दिवसीय बचाव प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ गुरुवार 1 मई को उमाई घाट मोहना बंधारा शहाड उल्हासनगर-1 में किया गया।

प्रशिक्षण शिविर के पहले ही दिन विभिन्न आयु वर्गों के लगभग 100 से अधिक नागरिकों, स्वयंसेवकों एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने इस प्रशिक्षण शिविर में उत्साहपूर्वक सहभाग किया। शिविर में प्रशिक्षकों द्वारा बाढ़ जैसे प्राकृतिक आपदाओं से उत्पन्न आपातकालीन परिस्थितियों में सुरक्षित बचाव हेतु तकनीकी जानकारी, रस्सी के माध्यम से बचाव कार्य, प्राथमिक उपचार के तरीके जैसे विषयों पर प्रायोगिक प्रदर्शन और संवाद आधारित मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

उल्हासनगर के प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता शशिकांत दायमा ने इस प्रशिक्षण शिविर के विषय में बताते हुए कहा कि आयोजकों ने इस प्रशिक्षण शिविर के आयोजन के पीछे लक्ष्य रखा है कि इसके माध्यम से ऐसे स्वयंसेवक तैयार करना जो बाढ़ जैसी आपातकालीन स्थितियों में प्रत्येक गांव,बस्ती और मुहल्ले में लोगों के बचाव के लिए आगे आ सके और अपना और अपने आसपास के लोगों के अनमोल जीवन को बचाने में सहयोग कर सके।

फास्ट ट्रैक

गाय को राष्ट्रीय पशु का दर्जा देने की मांग

तिलहर में गोकशी मामलों को फास्ट ट्रैक कोर्ट में लाने पर दिया जोर

तिलहर, राष्ट्रीय गौ रक्षक संघ ने शाहजहांपुर के मीरानपुर कटरा निवासी पंडित अजीत शर्मा को उत्तर प्रदेश का अध्यक्ष नियुक्त किया है। संगठन के शीर्ष नेतृत्व ने उनकी गौ सेवा और सामाजिक कार्यों को देखते हुए यह जिम्मेदारी दी है। नई जिम्मेदारी मिलने के बाद अजीत शर्मा ने केंद्र और राज्य सरकार से महत्वपूर्ण मांगें रखी हैं। उन्होंने गाय को राष्ट्रीय पशु का दर्जा देने की मांग की है। साथ ही गोकशी से जुड़े मामलों को फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाने की मांग भी उठाई है। उनका कहना है कि इससे दोषियों को जल्द सजा मिल सकेगी। अजीत शर्मा की नियुक्ति से संगठन के पदाधिकारी और समर्थक खुश हैं। वे पहले भी इस पद पर रह चुके हैं और उनके कार्यों को देखते हुए संगठन ने उन्हें फिर से यह जिम्मेदारी सौंपी है।

कार्यालय मूल्यांकन' अभियान में जिला परिषद, ठाणे राज्य में प्रथम स्थान पर

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , महाराष्ट्र सरकार और भारतीय गुणवत्ता परिषद द्वारा संयुक्त रूप से कार्यान्वित 'कार्यालय मूल्यांकन - 100 दिवसीय कार्रवाई कार्यक्रम' के तहत जिला परिषद, ठाणे को राज्य में प्रथम स्थान दिया गया है।अभियान में सरकारी कार्यालयों के प्रदर्शन का मूल्यांकन विभिन्न कारकों जैसे दक्षता, पारदर्शिता, जनता के साथ संचार और जनता को समय पर सेवाएं प्रदान करने के आधार पर किया गया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे ने प्रशासन में सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रदर्शन में गुणात्मक सुधार लाया है। इसमें विशेष प्रयास कर रहे उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी अविनाश फड़तरे भी शामिल हैं। जिला परिषद, ठाणे के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे के प्रभावी नेतृत्व में कार्यालय ने 92.00 अंकों के साथ राज्य में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। इस सफलता का वास्तविक श्रेय जिला परिषद ठाणे के प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी को जाता है। वरिष्ठ अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने समय-समय पर सहयोग और मार्गदर्शन प्रदान किया है। अपेक्षित जनोन्मुखी, गतिशील और पारदर्शी प्रशासन बनाने के लिए उन 100 दिनों के दौरान विशेष प्रयास किए गए थे। जिला परिषद नागरिकों को उपलब्ध सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए हमेशा प्रयासरत रहेगी। इस आशय का उद्गार जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे ने व्यक्त किया है।इस उल्लेखनीय उपलब्धि ने ठाणे जिले में प्रशासन की दक्षता को मान्यता दी है। यह उपलब्धि जिला परिषद ठाणे के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की निरंतर कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम है। ठाणे जिला परिषद को शासन के तरीके में सकारात्मक बदलाव लाने और जनोन्मुखी प्रशासन के लिए समर्पित होने के लिए बधाई दी जा रही है। आशा है कि यह पुरस्कार भविष्य में जिला परिषद के कार्यों में और अधिक गुणवत्ता एवं पारदर्शिता लाने के लिए प्रेरणादायी होगा।सभी सरकारी दस्तावेजों को नागरिकों के दरवाजे तक पहुंचाने के लिए 'डोर स्टेप डिलीवरी' नामक एक अभिनव पहल शुरू की गई है। यह कार्यक्रम 431 ग्राम पंचायतों में क्रियान्वित किया गया है और 20 दिनों में 3,000 से अधिक नागरिकों को घर बैठे सरकारी दस्तावेज प्राप्त करने का लाभ दिया गया है।

सैनिक ढाबा ने फाइनल में बनाई जगह

सैनिक ढाबा ने 3 विकेट से जीता सेमीफाइनल, 4 मई को फाइनल

रायबरेली, शिवगढ़ नगर पंचायत के वार्ड नंबर 8 ढेकवा में स्वर्गीय वीरेंद्र बहादुर त्रिपाठी टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का सेमीफाइनल मुकाबला खेला गया। इस मैच में सैनिक ढाबा और प्रतीक क्रिकेट क्लब आमने-सामने थे। टॉस जीतकर सैनिक ढाबा ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए प्रतीक क्रिकेट क्लब की टीम 15.3 ओवर में 224 रन बनाकर आउट हो गई।

लक्ष्य का पीछा करते हुए सैनिक ढाबा ने शानदार प्रदर्शन किया। टीम ने 14 ओवर में ही 3 विकेट खोकर मैच जीत लिया और फाइनल में अपनी जगह पक्की की। सोमेश को उनके प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। फाइनल मुकाबला 4 मई को खेला जाएगा। टूर्नामेंट में विद्यापीठ के प्रधानाचार्य राजकुमार गुप्ता, आयोजन कमेटी के संरक्षक महेश प्रसाद त्रिपाठी, राकेश शुक्ला और अध्यक्ष राज बहादुर सिंह समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विष्णु तम्हाणे को पुलिस महानिदेशक सम्मानचि से सम्मानित किया गया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

उल्हासनगर.उल्हासनगर क्रमांक 1 पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विष्णु तम्हाणे को पुलिस विभाग में उत्कृष्ट सेवाओं और कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करने के लिए के लिए पुलिस महानिदेशक सम्मान चिह्न से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान पुलिस महानिदेशक द्वारा उन पुलिसकर्मियों को दिया जाता है जिन्होंने अपने कार्यक्षेत्र में अनुकरणीय कार्यों द्वारा विभाग का मान सम्मान बढ़ाया हो। विष्णु तम्हाणे खेल क्षेत्र में भी ख्यातिप्राप्त है,उन्होंने 56 वर्ष की आयु में ऑस्ट्रेलिया में आयरन मेन का खिताब जीतकर विशेष उपलब्धि प्राप्त की है। विष्णु तम्हाणे ने अपने सेवा काल में अपराध नियंत्रण, जनता के साथ बेहतर समन्वय और सामंजस्य स्थापित करने और पुलिस विभाग की छवि को समाज में सकारात्मक रूप से रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। विष्णु तम्हाणे की इस सफलता से उल्हासनगर पुलिस विभाग में खुशी की लहर है। वरिष्ठ अधिकारियों, स्थानीय गणमान्यों और सहकर्मियों ने ताम्हाणे को इस उपलब्धि पर बधाईयां दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। उनका यह पुरस्कार पुलिस बल के लिए प्रेरणा का स्रोत है। यह पुरस्कार अन्य सहकर्मियों में कर्तव्यपरायणता, ईमानदारी और जनसेवा के मूल सिद्धांतों को मजबूती प्रदान करता है। यह सम्मान न केवल श्री ताम्हाणे की व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि यह पूरे पुलिस बल के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है, जो कर्तव्य परायणता, ईमानदारी और जनसेवा के मूल सिद्धांतों को मजबूती प्रदान करता है।

कलान में प्रेमी संग फरार हुई किशोरी

50 हजार रुपए भी ले गई साथ, पिता ने 7 लोगों पर लगाया आरोप

शाहजहांपुर , थाना कलान क्षेत्र से एक 15 वर्षीय लड़की अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई। लड़की के पिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पिता ने बताया कि कबरा सलेमपुर निवासी अवनीश उनकी बेटी को 25 अप्रैल की रात बहला-फुसलाकर ले गया। लड़की घर में रखे 50,000 रुपए भी साथ ले गई। अवनीश पहले से उनके घर आता-जाता था। लड़की अनपढ़ है। परिवार ने लड़की की काफी तलाश की, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। पिता ने अवनीश के अलावा 6 और लोगों पर भी आरोप लगाए हैं। इनमें इकलहरा और थाना कम्पिल, फरुर्खाबाद के सुखवीर, धर्मवीर, उदयवीर, रीना और राजेश्वर कोटेदार शामिल हैं। इन सभी ने अवनीश की मदद करने में भूमिका निभाई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। नाबालिग को ढूंढने के लिए टीमें बनाई गई हैं।

विहिप का आतंकवाद के खिलाफ प्रदर्शन

शाहजहांपुर में कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तान का पुतला फूंका, सरकार से कार्यवाही की मांग

शाहजहांपुर, तिलहर नगर में विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने आतंकवाद के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। बिरियागंज चौराहे पर विहिप के सह जिला मंत्री सुरेश शर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ता एकत्र हुए।कार्यकर्ताओं ने आतंकवाद और पाकिस्तान के विरोध में नारेबाजी की। उन्होंने चौराहे पर पुतला खड़ा किया। पुतले में पटाखे लगाकर उसे आग के हवाले कर दिया। विहिप नेता सुरेश शर्मा ने कहा कि देश के नागरिकों में आतंकवाद और पाकिस्तान के खिलाफ आक्रोश है।

जिलाधिकारी कार्यालय में मुख्यमंत्री सहायता कोष एवं धमार्दाय अस्पताल सहायता कक्ष का उद्घाटन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे ,मुख्यमंत्री सहायता कोष और चैरिटी अस्पताल सहायता कक्ष का उद्घाटन आज जिला कलेक्टर अशोक शिंगारे के हाथों किया गया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे, अपर कलेक्टर हरिचंद्र पाटिल, निवासी डिप्टी कलेक्टर डॉ. संदीप माने उपजिलाधिकारी (सामान्य) सचिन चौधरी, तहसीलदार (राजस्व) रेवन लेम्भे, तहसीलदार उमेश पाटिल, प्रदीप कुदाल, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (ग्राम पंचायत) प्रमोद काले, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गंगाधर पारगे तथा मुख्यमंत्री सहायता कोष प्रकोष्ठ के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य के सभी जिलाधिकारियों को आर्थिक रूप से जरूरतमंद मरीजों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए 'मुख्यमंत्री सहायता कक्ष' स्थापित करने का निर्देश दिया था। रामेश्वर नाइक इस प्रकोष्ठ के प्रमुख हैं। राज्य में जरूरतमंद मरीजों को इलाज के लिए मुख्यमंत्री सहायता कोष के माध्यम से वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निदेर्शानुसार सरकार ने 22 फरवरी 2025 को जिला स्तरीय मुख्यमंत्री सहायता कक्ष खोलने के संबंध में निर्णय जारी किया है। इसके अलावा मुख्यमंत्री सहायता कोष और धमार्दाय अस्पताल सहायता कक्ष की बैठक 23 अप्रैल 2025 को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में हुई।जरूरतमंद मरीज और उनके रिश्तेदार बड़ी संख्या में चिकित्सा सहायता के लिए मुख्यमंत्री सहायता कोष प्रकोष्ठ में आवेदन कर रहे हैं। वे आवेदन की पुष्टि के लिए अक्सर मंत्रालय आते हैं। मरीजों और उनके रिश्तेदारों की परेशानी को देखते हुए मुख्यमंत्री फडणवीस ने यह कक्ष शुरू कराया है।

शहापुर वन विभाग के गुणवत्ता कर्मचारियों को किया सम्मानित

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर शहापुर प्रादेशिक प्रभाग स्थित वन विभाग कार्यालय में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उप वन संरक्षक, शाहपुर (क्षेत्रीय) दीपेश मल्होत्रा ने तृतीय से चतुर्थ श्रेणी के उत्कृष्ट एवं योग्य कर्मचारियों को सम्मानित किया। इन कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रमाण पत्र और पदक देकर सम्मानित किया गया। इस प्रेरणादायी अवसर पर वन विभाग के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। इस अवसर पर शहापुर के सहायक वन संरक्षक अभिजीत पिंगले, वन अधीक्षक अक्षदा पाटिल, वन परिक्षेत्र अधिकारी तथा अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे। मल्होत्रा ने अपने भाषण में सभी सम्मानित कर्मचारियों के कार्यों की सराहना की तथा उनके योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इन कर्मचारियों का समर्पित रवैया विभाग के काम को और अधिक प्रभावी बनाता है। उन्होंने यह भी विश्वास व्यक्त किया कि अन्य लोग भी इससे प्रेरित होंगे। प्रथम पुरस्कारः लेखाकार जितेंद्र वाघ, द्वितीय पुरस्कारः मुख्य लेखाकार अजयकुमार सांगले और तृतीय पुरस्कारः प्रशांत मेंगल को गणमान्य व्यक्तियों द्वारा देकर सम्मानित किया गया। इस समारोह से कार्यालय के कर्मचारियों में उत्साह का माहौल बन गया। उपस्थित लोगों ने यह विचार व्यक्त किया कि कर्मचारियों के काम को मान्यता मिलने से वे और अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित हुए हैं।

नाबालिग की संदिग्ध मौत का मामला

मां का आरोप- पड़ोसी ने बेटी को पीटकर फांसी पर लटकाया, फिर जबरन अंतिम संस्कार करा दिया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, एक नाबालिग लड़की की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। थाना रोजा क्षेत्र में रहने वाली पीड़ित मां ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। मां के मुताबिक, 27 अप्रैल को पड़ोसी ने उनकी बेटी के साथ मारपीट की। शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। मां मंदिर में प्रसाद चढ़ाने गई थी। एक बेटा बाहर था और दूसरा मंडी गया था। वापस लौटने पर बेटी कमरे में फांसी के फंदे पर लटकी मिली। मां की चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी अपने परिवार के साथ आया। उसने जल्दबाजी में शव को उतार लिया। पीड़िता का आरोप है कि पड़ोसी ने पुलिस को सूचना देने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी। उसने अपने परिवार और कुछ स्थानीय लोगों की मदद से बेटी का जबरन अंतिम संस्कार करा दिया। डर के कारण मां ने तीन दिन तक शिकायत नहीं की। रोजा थाना प्रभारी राजीव रंजन ने बताया कि तहरीर मिलने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

विवाहिता की संदिग्ध मौत

दहेज के लिए हत्या का आरोप, भाई बोला- पति मांग रहा था दो लाख रुपये

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, दहेज की मांग को लेकर एक 25 वर्षीय महिला की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। मृतका साहिबा की शादी चार साल पहले मिस्त्रीपुर निवासी जमाल खां से हुई थी। साहिबा की मौत की सूचना पति ने मायके वालों को दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने साहिबा का शव चारपाई पर पड़ा देखा। मृतका के भाई शानू ने आरोप लगाया कि जमाल खां दहेज में दो लाख रुपए और अन्य सामान की मांग करता था। मृतका के भाई ने बताया कि जमाल खां मांग पूरी न होने पर साहिबा के साथ मारपीट करता था। साहिबा परिवार को ज्यादा कुछ नहीं बताती थी। परिजनों का आरोप है कि पति ने दहेज की मांग पूरी न होने पर साहिबा की हत्या कर दी। थाना रोजा क्षेत्र के मोहल्ला कटिया कंभू की रहने वाली साहिबा की मौत के बाद पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सपा का मुख्यालय पर प्रदर्शन

राज्यसभा सांसद सुमन पर हमले का विरोध, जिलाध्यक्ष ने प्रशासन को दी चेतावनी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मिर्जापुर, समाजवादी पार्टी ने जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा। ज्ञापन में राज्यसभा सांसद और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रामजीलाल सुमन पर हुए हमले का विरोध किया गया। सपा जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने कहा कि करणी सेना प्रशासन की मदद से गुंडागर्दी कर रही है।

उन्होंने प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था पर चिंता जताई। 27 अप्रैल को बुशहर जाते समय अलीगढ़ में करणी सेना ने रामजीलाल सुमन के काफिले पर हमला किया था। इस हमले में कुछ वाहन क्षतिग्रस्त हुए और कई लोग घायल हुए। इससे पहले उनके आवास पर भी हमला किया गया था। पार्टी का आरोप है कि करणी सेना लगातार सुमन को जान से मारने की धमकी दे रही है। सपा का कहना है कि पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) के नारे से कुछ प्रभुत्ववादी समूह परेशान हैं। पार्टी ने आरोप लगाया कि इन समूहों की वजह से उत्पीड़न की घटनाएं बढ़ी हैं। ज्ञापन में इन घटनाओं पर रोक लगाने की मांग की गई है।

3 भाइयों पर गोली चलाने वाले पिता-पुत्र गिरफ्तार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, तीन भाइयों पर फायरिंग करने के मामले में पुलिस ने गुरुवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। रामनिवास और उसके बेटे सुमित को गिरफ्तार किया गया है। बता दें कि घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और दो लोग घायल हुए थे। चौक कोतवाली क्षेत्र के अजीजगंज निवासी कमलेश, अखिलेश और जीतेंद्र पर मोहल्ले के रहने वाले शेरू और उसके साथियों ने हमला किया था। इस हमले में कमलेश की लखनऊ में इलाज के दौरान मौत हो गई। जीतेंद्र का लखनऊ में इलाज चल रहा है। अखिलेश को राजकीय मेडिकल कॉलेज से छुट्टी मिल गई है। मृतक के परिजनों ने बुधवार को गर्रा पुल पर जाम लगाकर आरोपियों की गिरफ्तारी और एनकाउंटर की मांग की थी। मेयर अर्चना वर्मा के आश्वासन के बाद जाम खत्म हुआ। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर कुल्हाड़ी और डंडा बरामद किया है। घटना बच्चों के विवाद से शुरू हुई थी।

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,
2-संरक्षक-भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ
3-संरक्षक-भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)
4-कला एवं मनोरंजन संपादक
(भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी
5-उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा
6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण
(भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

ट्रम्प-जेलेंस्की में बहस के दो महीने बाद मिनरल डील

यूक्रेन को जंग में 350 बिलियन डॉलर की मदद दी; अब अमेरिका को दुर्लभ खनिज मिलेंगे

एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के बीच फरवरी में हुई तीखी बहस के 2 महीने बाद मिनरल डील पूरी हो गई है। अमेरिका ने यूक्रेन को रूस के खिलाफ जंग में 350 बिलियन डॉलर की मदद की है। इसके बदले में उसने अमेरिका से दुर्लभ खनिज देने की मांग की थी। मिनरल डील पर साइन करने के लिए जेलेंस्की फरवरी के अंत में यूक्रेन गए थे। हालांकि यहां दोनों के बीच व्हाइट हाउस में सीजफायर को लेकर तीखी बहस हो गई थी। इसके बाद जेलेंस्की डील पर साइन किए बिना ही अमेरिका से लौट आए थे। अब इस डील के पूरे होने से अमेरिका को यूक्रेन के दुर्लभ खनिज मिलेंगे। यूक्रेन में 100 से ज्यादा दुर्लभ खनिजों का भंडार है। इनमें 20 भंडार ऐसे हैं, जिन्हें अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने अमेरिका की इकोनॉमी ग्रोथ और सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी बताया है। यूक्रेन में मौजूद कुछ प्रमुख खनिजङ्घ 1. टाइटेनियमः यह चांदी जैसी दिखने

वाला मटेरियल जमीन के अंदर चट्टानों के टुकड़ों के रूप में पाया जाता है। टाइटेनियम लोहे से 50% और स्टील से 56% हल्का होता है, फिर भी दोनों धातुओं से कई गुना ज्यादा मजबूत होता है। टाइटेनियम को पिघलाने के लिए 2 हजार डिग्री सेल्सियस के तापमान की जरूरत होती है। यानी ये ज्यादा गर्मी सह सकता है। इसीलिए इसका इस्तेमाल विमानों से लेकर पावर स्टेशनों तक में होता है। रूस-यूक्रेन जंग की शुरूआत से पहले ग्लोबल टाइटेनियम उत्पादन में 7% हिस्सा यूक्रेन का था। 2. लिथियमः ज्वालामुखी वाली चट्टानों और झरनों में पाया जाने वाला लिथियम हल्के सफेद रंग का होता है। यह दुनिया की सबसे हल्की धातु है। लिथियम को खुली हवा में नहीं रखा जाता, क्योंकि यह ऑक्सीजन के संपर्क में आने पर फौरन आग पकड़ लेता है। इस वजह से लिथियम को तेल में डुबोकर रखा जाता है। लिथियम को एक चाकू से भी काटा जा सकता है, क्योंकि यह बहुत सॉफ्ट होता है। इसका इस्तेमाल बैटरियों को बनाने में होता है। यूरोप के कुल लिथियम भंडार का 33% हिस्सा यूक्रेन के पास है। 3. यूरेनियमः यह एक रेडियोएक्टिव धातु है, जो चट्टानों और झरनों में पाई जाती है। यूरेनियम को दुनिया की सबसे खतरनाक धातु भी कहते हैं क्योंकि इसका इस्तेमाल परमाणु बम बनाने में होता है। दुनियाभर के कुल यूरेनियम का 2% यूक्रेन में पाया जाता है। 4. रेयर अर्थ मिनरल्सः यह 17 खनिजों का एक ग्रुप है, जो कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर मिलिट्री इक्विपमेंट तक में इस्तेमाल होता है। इसमें सेरियम, डिस्प्रोसियम, अर्बियम, यूरोपियम, गैडोलीनियम, होल्मियम, लैंथेनम, ल्यूटेटियम, नियोडिमियम, प्रेसियोडीमियम, प्रोमेथियम, समैरियम, स्कैंडियम, टेरबियम, थ्यूलियम, येटरबियम और इट्रियम शामिल हैं। इसके अलावा यूक्रेन में ग्रेफाइट का भी बड़ा भंडार मौजूद है, जो इलेक्ट्रिक व्हीकल बनाने में इस्तेमाल होता है। दुर्लभ खनिजों से अमेरिका अरबों डॉलर कैसे कमाएगा? ट्रम्प ने यूक्रेन के 50% दुर्लभ खनिजों पर कब्जा करने का प्रस्ताव दिया है। इनमें ग्रेफाइट, यूरेनियम, टाइटेनियम, लिथियम समेत कई बेशकीमती और दुर्लभ खनिज शामिल हैं। इनका इस्तेमाल टेस्ला की कारों से स्पेसएक्स के रॉकेट तक, होवित्जर तोप से मोबाइल की चिप तक में होता है।

भारत के एक्शन से दहशत में पाकिस्तान

आईएसआई चीफ असीम मलिक को दी ये नई जिम्मेदारी

एजेंसी

पहलगाम आतंकी हमले के बाद से भारतीय सेना ने पाकिस्तान की टेंशन बढ़ा दी है. यही वजह है कि भारत की सैन्य तैयारी से पाकिस्तान पूरी तरह से घबराया हुआ है. उसकी इसी घबराहट का नतीजा है कि उसने अब अपने आईएसआई के चीफ लेफ्टिनेंट जनरल मोहम्मद असीम मलिक को एनएसए का अतिरिक्त प्रभार सौंपने का फैसला किया है. पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार असीम मलिक को ये जिम्मेदारी अतिरिक्त प्रभार के तौर पर दी गई है. ऐसा माना जा रहा है कि पहलगाम आतंकी हमले को लेकर भारत की निर्णायक प्रतिक्रिया के

मद्देनजर ही पाकिस्तान ने ये बड़ा फैसला किया है. पहलगाम हमले के बाद से ही भारत के मजबूत और स्पष्ट रुख ने पाकिस्तान की नींद उड़ा दी है. वो लगातार इस हमले के बाद से बैकफुट पर दिख रहा है. जहां एक तरफ भारत से उसे करारा जवाब मिलने का डर सता रहा है वहीं दूसरी तरफ इस हमले के बाद से ही अंतरराष्ट्रीय बिरादरी में भी उसकी काफी किरकिरी हो रही है. आपको बता दें कि सीमा पर पाकिस्तान बाज नहीं आ रहा और लगातार सीजफायर का उल्लंघन कर रहा है. पाकिस्तानी सेना ने बिना किसी उकसावे के लगातार सातवें दिन सीजफायर का उल्लंघन किया. कश्मीर के कुपवाड़ा, उरी और जम्मू के अखनूर सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर पाक आर्मी ने स्मॉल आर्म्स से फायरिंग की. भारतीय सेना ने इसका माकूल जवाब दिया. पहलगाम के आतंकी हमले को लेकर भारत जिस तरह के सख्त कदम उठा रहा है, उससे पाकिस्तान बौखलाया हुआ है. पाकिस्तानी सेना द्वारा यहां नियंत्रण रेखा के उस पार से गोलीबारी की गई है. इससे पहले सेना के मुताबिक 28-29-30 अप्रैल को पाकिस्तानी सेना ने कुपवाड़ा और बारामुला जिलों के साथ-साथ अखनूर सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पार से बिना उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी की. भारतीय सेना ने इस उकसावे का जवाब संतुलित और प्रभावी तरीके से दिया.

> असीम मलिक को नया एनएसए बनाए जाने को लेकर ऐसा माना जा रहा है कि पाकिस्तान ने ये फैसला भारत के निर्णायक प्रतिक्रिया के मद्देनजर ही लिया है.

पहलगाम हमला, पाकिस्तान ने अमेरिका से मदद मांगी

कहा- भारत पर जिम्मेदारी से पेश आने का दबाव बनाएं; यूएस विदेश मंत्री बोले- मिलकर तनाव कम करें

एजेंसी

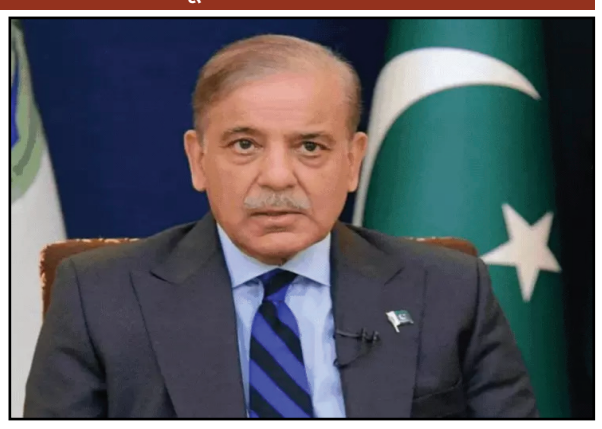

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने बुधवार रात पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर से बात की। उन्होंने पहलगाम हमले की निंदा की और कहा- आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अमेरिका भारत के साथ है। मार्को रूबियो ने दोनों देशों से तनाव कम करने और दक्षिण एशिया में शांति स्थापित को लेकर मिलकर काम करने की अपील की। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, शहबाज शरीफ ने मार्को रुबियो से बातचीत के दौरान भारत पर उग्र और भड़काऊ व्यवहार का आरोप लगाया। शरीफ ने अमेरिका से अपील की कि वह भारत पर जिम्मेदारी से पेश आने और बयानबाजी कम करने का दबाव बनाए। साथ ही कहा- भारत के उकसाने वाले रवैये के चलते पाकिस्तान की आतंकवाद के खिलाफ चल रही कार्रवाई प्रभावित हो सकती है। क्षेत्रीय हालात बिगड़ सकते हैं। अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने बताया कि मार्को रूबियो ने जयशंकर से फोनकॉल पर एकजुटता व्यक्त की और पहलगाम में हुए आतंकी हमले में जान गंवाने वालों के लिए शोक प्रकट किया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ अमेरिका भारत के साथ है। हालांकि, उन्होंने यह भी सलाह दी कि भारत जो इस हमले के पीछे पाकिस्तान का हाथ बताने और जवाबी कार्रवाई की मांग करने में सावधानी बरते। वहीं, टैमी ब्रूस ने बताया प्रधानमंत्री शरीफ से फोन पर बातचीत के दौरान रूबियो ने पाकिस्तान से 22 अप्रैल को कश्मीर में हुए हमले की निंदा करने और जांच में सहयोग करने को कहा। अमेरिकी विदेश मंत्री ने पाकिस्तानी अधिकारियों से इस अमानवीय हमले की जांच में पूरी तरह सहयोग करने का अनुरोध किया। इससे पहले मंगलवार-बुधवार देर रात पाकिस्तान के सूचना एवं प्रसारण मंत्री अताउल्लाह तरार ने दावा किया था कि भारत उसके खिलाफ अगले 24-36 घंटों में सैन्य कार्रवाई कर सकता है। तरार ने कहा कि उन्हें विश्वसनीय खुफिया जानकारी मिली है कि भारत पहलगाम घटना के बहाने ऐसा कर सकता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान खुद आतंकवाद का शिकार रहा है और इस संकट के दर्द को सही मायने में समझता है। हमने दुनिया में हमेशा इसकी निंदा की है। आगे यह भी बताया कि अगर भारत कोई सैन्य हमला करता है, तो पाकिस्तान उसका निश्चित और कड़ा जवाब देगा। उन्होंने कहा कि हम हर कीमत पर पाकिस्तान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करेंगे। भारत ने पाकिस्तान के लिए एयरस्पेस बंद किया बुधवार देर रात भारत ने पाकिस्तान के लिए अपना एयरबेस बंद कर दिया। यानी पाकिस्तान की सभी तरह की फ्लाइट 23 मई तक भारतीय एयरस्पेस में नहीं उड़ सकेंगी। भारत ने पाकिस्तान के लिए नोटिस टु एयरमैन जारी किया है। इसमें कहा गया है कि अगर कोई फ्लाइट इंडियन जोन में आती है, तो उस पर एक्शन लिया जाएगा। पाकिस्तान ने 23 अप्रैल को भारत के लिए अपना एयरस्पेस बंद करने का फैसला लिया था।

पोर्न एक्टर पर ब्रिटिश गे कपल की हत्या का आरोप

सिर काटकर फ्रीजर में रखा, बॉडीपार्ट्स सूटकेस में भरकर नदी में फेंका

एजेंसी

लंदन, ब्रिटेन में एक पोर्न एक्टर पर आरोप है कि उसने एक गे कपल (समलैंगिक जोड़े) का सिर काट दिया और उनके टुकड़े कर दिए। इसके बाद कटे हुए सिरों को फ्रीजर में रख दिया और बाकी बॉडी पार्ट्स को सूटकेस में भरकर एक पुल से नीचे फेंक दिया। द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक 35 साल के कोलंबिया पोर्न एक्टर योस्टिन आंद्रेस मोस्क्वेरा पर आरोप है कि उसने 8 जुलाई, 2024 लंदन के शेफर्ड्स बुश इलाके के

एक अपार्टमेंट में 71 साल के पॉल लॉन्गवर्थ और 62 साल के अल्बर्ट अल्फोंसो की हत्या कर दी। सरकारी वकील का दावा है कि मोस्क्वेरा को 10 जुलाई की रात लंदन से 160 किमी दूर ब्रिस्टल शहर के फेमस क्लिफ्टन सस्पेंशन ब्रिज पर एक बड़े लाल सूटकेस के साथ देखा गया था। एक का हथौड़े से सिर फोड़ा, दूसरे को चाकू मारा आरोपी ने पहले लॉन्गवर्थ के सिर पर हथौड़े से कई हमले किए, जिससे उसका सिर फूट गया था। इसके बाद अल्फोंसो के चेहरे और शरीर पर चाकू से कई हमले किए। सरकारी वकील ने कोर्ट के बताया कि मोस्क्वेरा ने हत्या के बाद डांस करते हुए खुद का एक वीडियो भी शूट किया था। मोस्क्वेरा को 10 जुलाई की रात एक साइकिल सवार ने ब्रिज पर सूटकेस के साथ देखा था। तब उसने कहा था कि उसमें ऑटो पार्ट्स हैं, लेकिन उसमें लॉन्गवर्थ और अल्फोंसो के बॉडी पार्ट्स थे। अकाउंट से 4 लाख चुराने की कोशिश की आरोपी ने हत्या के बाद कपल के अकाउंट से 5,000 डॉलर (4 लाख रुपए) से अपने अकाउंट में ट्रांसफर करने और एटीएम से 1000 डॉलर (84 हजार रुपए) कैश निकालने की भी कोशिश की थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक मोस्क्वेरा अक्सर ब्रिटिश जोड़े से मिलने जाता था और लॉन्गवर्थ और अल्फोंसो भी आरोपी से मिलने उसके देश जाते थे।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी से की अपील

पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों को मिले शहीद का दर्जा

एजेंसी

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों को शहीद का दर्जा देने का आग्रह किया। एक्स पर एक पोस्ट में, कांग्रेस नेता ने पीड़ित परिवारों के साथ एकजुटता व्यक्त की और मृतकों को शहीद के रूप में आधिकारिक मान्यता देने की उनकी मांग का समर्थन किया। गांधी ने एक्स पर लिखा कि मैं पहलगाम हमले में मारे गए लोगों के परिवारों के दुख और उन्हें शहीद का दर्जा दिए जाने की उनकी मांग के साथ खड़ा हूं। प्रधानमंत्री से अनुरोध है कि इस त्रासदी में जान गंवाने वालों के परिवारों की भावनाओं का सम्मान करते हुए उन्हें यह सम्मान दें।इससे पहले बुधवार को रायबरेली से कांग्रेस सांसद ने कानपुर में पहलगाम हमले के पीड़ित के परिवार के सदस्यों से मुलाकात की और कहा कि वे मृतक के लिए शहीद का दर्जा चाहते हैं। कांग्रेस नेता ने बुधवार को संवाददाताओं से कहा, मैंने कानपुर में एक पीड़ित के परिवार से मुलाकात की। उन्होंने मुझसे नरेंद्र मोदी को संदेश भेजने के लिए कहा। उन सभी

> गांधी ने एक्स पर लिखा कि मैं पहलगाम हमले में मारे गए लोगों के परिवारों के दुख और उन्हें शहीद का दर्जा दिए जाने की उनकी मांग के साथ खड़ा हूं। प्रधानमंत्री से अनुरोध है कि इस त्रासदी में जान गंवाने वालों के परिवारों की भावनाओं का सम्मान करते हुए उन्हें यह सम्मान दें।

परिवारों की ओर से मैं प्रधानमंत्री से कहना चाहता हूं - 'प्रधानमंत्री जी, उन्होंने कहा है कि हमारे बच्चे शहीद हुए हैं। हम चाहते हैं कि आप उन्हें शहीद का दर्जा दें और उन्हें सम्मान दें। गांधी ने कानपुर में शुभम द्विवेदी के परिवार के सदस्यों से मुलाकात की और कहा कि विपक्ष पहलगाम हमले के पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रहा है। उन्होंने कहा, मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि आतंकियों को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। चाहे वे जहां भी हों, उन्हें इसकी कीमत चुकानी होगी। कांग्रेस नेता ने कहा कि आतंकियों को ढुलमुल तरीके से नहीं, बल्कि पूरी मजबूती के साथ करारा जवाब देना है, ताकि उन्हें याद रहे कि हिंदुस्तान के साथ ऐसा नहीं किया जा सकता है।

सामाजिक न्याय की लड़ाई में पीडीए की जीत...

> अखिलेश यादव ने एक एक्स पोस्ट में लिखा था कि जाति जनगणना का फैसला 90% पीडीए की एकजुटता की 100% जीत है। हम सबके सम्मिलित दबाव से भाजपा सरकार मजबूरन ये निर्णय लेने को बाध्य हुई है।

जाति गणना को लेकर बोले अखिलेश यादव

एजेंसी

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दावा किया कि जाति गणना का फैसला विपक्षी ताकतों और पीडीए सामाजिक वर्गों की जीत है, उन्होंने इसे सकारात्मक लोकतांत्रिक आंदोलन का पहला चरण बताया। उन्होंने कहा कि सरकार ने अभी-अभी एक निर्णय लिया है। हमें खुशी है कि सामाजिक न्याय की स्थापना की दिशा में एक कदम उठाया गया है। जाति जनगणना का निर्णय 90% पीडीए लोगों की 100% जीत है। हम सभी के संयुक्त दबाव के कारण ही भाजपा सरकार को यह निर्णय लेने के लिए मजबूर होना पड़ा है। सामाजिक न्याय की लड़ाई में पीडीए की जीत में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। अखिलेश यादव ने एक एक्स पोस्ट में लिखा था कि जाति जनगणना का फैसला 90% पीडीए की एकजुटता की 100% जीत है। हम सबके सम्मिलित दबाव से भाजपा सरकार मजबूरन ये निर्णय लेने को बाध्य हुई है। सामाजिक न्याय की लड़ाई में ये अधिकारों के सकारात्मक लोकतांत्रिक आंदोलन का पहला चरण है और भाजपा की नकारात्मक राजनीति का अंतिम। भाजपा की प्रभुत्ववादी सोच का अंत होकर ही रहेगा। संविधान के आगे मनविधान लंबे समय तक चल भी नहीं सकता है। ये कठऊकअ की जीत है! राजनीतिक मामलों की कैबिनेट समिति द्वारा लिए गए फैसलों की घोषणा करते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि जनगणना केंद्र के अधिकार क्षेत्र में आती है, लेकिन कुछ राज्यों ने सर्वेक्षण के नाम पर जातिवार जनगणना की है। मंत्री ने कहा कि आगामी अखिल भारतीय जनगणना में जातिवार गणना को पारदर्शी तरीके से शामिल करना मोदी सरकार का संकल्प है। जनगणना की प्रक्रिया अप्रैल 2020 में शुरू होनी थी, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसमें देर हुई है।

बीबीएमबी द्वारा हरियाणा को अधिक पानी छोड़े जाने पर सड़कों पर उतरी आप

पंजाब में बीजेपी के खिलाफ किया प्रदर्शन

> रणजीत सागर और पोंग बांधों से जल वितरण को नियंत्रित करता है। बीबीएमबी के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि पंजाब बीबीएमबी के माध्यम से राज्य और पंजाबियों के अधिकारों को हरियाणा को हस्तांतरित करने के कदम का कड़ा विरोध करता है। केंद्र और हरियाणा की भाजपा सरकारें पंजाब के खिलाफ एकजुट हो गई हैं।

एजेंसी

आम आदमी पार्टी की भगवंत मान सरकार की आपत्तियों के बाद भी भाखड़ा बांध से हरियाणा को तत्काल प्रभाव से 8,500 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड के फैसले के खिलाफ आप पार्टी गुरुवार को पूरे पंजाब में विरोध प्रदर्शन कर रही है। आप के मंत्रियों और नेताओं ने हरियाणा को अतिरिक्त जल आवंटित करने के निर्णय के विरोध में राज्य भर के सभी जिलों में भाजपा कार्यालयों और भाजपा नेताओं के घरों का घेराव करने की घोषणा की।आप प्रवक्ता ने कहा, पंजाब के हिस्से का पानी हरियाणा को देने का कदम राज्य के अधिकारों पर सीधा हमला है। बीबीएमबी भाखड़ा, रणजीत सागर और पोंग बांधों से जल वितरण को नियंत्रित करता है। बीबीएमबी के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि पंजाब बीबीएमबी के माध्यम से राज्य और पंजाबियों के अधिकारों को हरियाणा को हस्तांतरित करने के कदम का कड़ा विरोध करता है। केंद्र और हरियाणा की भाजपा सरकारें पंजाब के खिलाफ एकजुट हो गई हैं।

पाकिस्तानी नागरिकों की वापसी की बढ़ी मियाद

> मानवीय संवेदनशीलता दिखाते हुए, भारत सरकार ने अब वैध कारणों से घर लौटने की जरूरत वाले पाकिस्तानी नागरिकों के लिए सीमा को खुला रखने की अनुमति दी है। गुरुवार की सुबह अटारी सीमा पर कई लोग आए थे, लेकिन उन्हें संशोधित आवागमन स्थिति के बारे में पता नहीं था।

गृह मंत्रालय ने जारी किया नया आदेश

एजेंसी

जम्मू-कश्मीर में पहलगाम आतंकी हमले के बाद सीमा पर सख्त प्रतिबंधों के बीच केंद्र सरकार ने भारत में फंसे पाकिस्तानी नागरिकों को राहत देते हुए उन्हें अटारी सीमा के रास्ते अपने देश लौटने की अनुमति दे दी है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब पहले 1 मई से सीमा पार सभी तरह की आवाजाही और व्यापार पूरी तरह से बंद करने का आदेश दिया गया था। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पहले अटारी सीमा पर सभी नागरिक और वाणिज्यिक गतिविधियों को रोकने का निर्देश जारी किया था, जिससे पारगमन में पकड़े गए लोगों, विशेष रूप से वैध यात्रा दस्तावेजों वाले पाकिस्तानी नागरिकों के बीच चिंता पैदा हो गई थी। हालांकि, मानवीय संवेदनशीलता दिखाते हुए, भारत सरकार ने अब वैध कारणों से घर लौटने की जरूरत वाले पाकिस्तानी नागरिकों के लिए सीमा को खुला रखने की अनुमति दी है। गुरुवार की सुबह अटारी सीमा पर कई लोग आए थे, लेकिन उन्हें संशोधित आवागमन स्थिति के बारे में पता नहीं था। औपचारिक संचार की कमी के कारण सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने शुरू में उनके जाने को रोक दिया था, लेकिन अधिकारियों से नवीनतम मंजूरी के साथ, उनके जाने की प्रक्रिया

अब फिर से शुरू हो गई है। संशोधित आदेश लागू होने के बाद, सीमा पर मौजूद पाकिस्तानी नागरिकों ने राहत और आभार व्यक्त किया, क्योंकि उन्हें एक बार फिर जाने की अनुमति मिल गई है। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच, 24 अप्रैल से 30 अप्रैल की अवधि के दौरान बड़ी संख्या में भारतीय और पाकिस्तानी नागरिक दोनों देशों के बीच की सीमाओं को पार कर गए। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पिछले एक सप्ताह में कुल 926 पाकिस्तानी नागरिक अपने देश लौट आए, जबकि 1,841 भारतीय नागरिक भारत वापस आए। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद, जिसमें 26 निर्दोष लोग मारे गए थे, भारत ने कई कदम उठाए, जिनमें अटारी भूमि-पारगमन चौकी को तत्काल बंद करना भी शामिल था, जिसका उपयोग कुछ प्रकार के सामानों की आवाजाही के लिए किया जाता था।उन्होंने बताया कि कल जम्मू-कश्मीर पुलिस से हमें फोन आया कि हमें अपना वेरिफिकेशन करवाना है. मेरे भाई और भाभी वेरिफिकेशन करवाने गए और उन्हें गाड़ी में बिठाकर अमृतसर अटारी-वाघा बॉर्डर पर ले आए. जब ??हमें इस बारे में पता चला ।

संक्षेप

बीए छात्रा का कमरे में मिला शव

चार दिन से लापता थी छात्रा, शव सड़ चुका था; परिजनों ने कहा- हत्या कर फेंका गया

बांदा, चार दिन से लापता बीए तृतीय वर्ष की छात्रा हिना बानो की लाश सोमवार सुबह शहर की कांशीराम कॉलोनी के एक बंद कमरे से बरामद की गई। शव पूरी तरह से सड़ चुका था, जिससे अंदेशा है कि उसकी हत्या कई दिन पहले ही कर दी गई थी। सूचना पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मृतका हिना बानो, मोहल्ला खाईपार निवासी ताहिर मोहम्मद की 24 वर्षीय बेटी थी और डॉक्टर भीमराव अंबेडकर कॉलेज में बीए अंतिम वर्ष की छात्रा थी। वह चार दिन पहले कॉलेज जाने के लिए घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। परिजनों ने गुमशुदगी की रिपोर्ट शहर कोतवाली में दर्ज कराई थी। आवास में मिली लाश जिस कमरे से हिना की लाश बरामद हुई, वह कांशीराम कॉलोनी के एन-10 ब्लॉक का मकान है, जो अनीता पत्नी सूरज प्रसाद के नाम आवंटित है। स्थानीय लोगों ने कमरे से बदबू आने पर पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दरवाजा खुलवाया तो अंदर हिना का शव क्षतविक्षत हालत में मिला। कई संदिग्ध हिरासत में, जांच जारी पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि मृतका की गुमशुदगी की रिपोर्ट पहले से दर्ज थी। अब हत्या की आशंका में जांच की जा रही है। पुलिस ने संदेह के आधार पर कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप मृतका के परिजनों का आरोप है कि हिना को अगवा कर उसकी हत्या की गई है। उनका कहना है कि यह सोची-समझी साजिश है और हिना के साथ धोखा किया गया। परिजनों ने जल्द से जल्द दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से खुलेगा राज फिलहाल पुलिस मामले की हर एंगल से जांच कर रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद हत्या का कारण और समय साफ हो सकेगा। शहर में इस घटना को लेकर आक्रोश और दहशत दोनों का माहौल है।

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की अपील नाकाम

बांदा में 15 मिनट का नहीं हुआ ब्लैक आउट, मस्जिदों में भी जली रहीं लाइटें

बांदा, आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की ब्लैक आउट की अपील का कोई असर नहीं दिखा। बोर्ड के उलेमाओं ने रात 9 बजे से 15 मिनट तक लाइट बंद रखने का फरमान जारी किया था। शहर की प्रमुख मस्जिदों में लाइटें जलती रहीं। नवाबी जामा मस्जिद, रब्बानी मस्जिद और खानकाह दरगाह में भी लाइटें बंद नहीं की गईं। इसी तरह दरगाहों और कब्रिस्तानों में भी रोशनी जारी रही। मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में भी लोगों ने बोर्ड के आह्वान पर ध्यान नहीं दिया। वक्फ संपत्तियों के किरायेदारों ने कहा कि उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं थी।

सपाइयों ने किया प्रदर्शन

रामजी लाल सुमन के समर्थन में उतरे; राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, सपा के कार्यकताओं व पदाधिकारियों ने गुरुवार को प्रदर्शन किया। कलेक्ट्रेट स्थित जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर नारेबाजी किया। दरअसल, सपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन के समर्थन में सपाई यहां पहुंचे थे। सपाइयों ने कहा, करणी सेना लगातार रामजी लाल सुमन को धमकी दे रही है। 27 अप्रैल को बुलंदशहर जाते समय उनके अलीगढ़ में उनके काफिले पर करणी सेना के लोगों द्वारा हमला किया गया। इनमें शामिल लोगों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इससे साबित होता है कि इन लोगों को सरकार का समर्थन मिला हुआ है।यहां पर राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन एडीएम को सौंपा। सपा जिलाध्यक्ष गंगापार अनिल यादव ने कहा कि प्रदेश में आए दिन आम जनता के उत्पीड़न, हत्या, लूट, बलात्कार, महिलाओं के साथ अत्याचार अराजकता आदि की घटनाये हो रही हैं। प्रदेश की भाजपा सरकार इन घटनाओं पर अंकुश लगाने में पूरी तरह विफल साबित हो रही हैं। सपा सांसद रामजी लाल सुमन पर एक संगठन करणी सेना द्वारा किया गया हमला सरकार की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है। सपा महानगर अध्यक्ष सैयद इफ़्तेखार हुसैन ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में पीडीए का नारा देकर समाज के शोषित, पीड़ित वर्गों के सम्मान एवं स्वाभिमान की लड़ाई लड़ी जा रही हैं। इसको समाज के प्रभुत्व वादी विचारधारा के लोग बर्दास्त नहीं कर पा रहे हैं। विधायक विजमा यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। विधायक संदीप पटेल, हाकिम लाल बिन्द, गीता पासी ने कानून व्यवस्था पर सरकार को घेरा। राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन में करणी सेना पर प्रतिबन्ध लगाने, सांसद रामजी लाल सुमन को सुरक्षा देने कानून का राज स्थापित कर लोकतान्त्रिक व्यवस्था को बहाल करने की मांग की गई इस मौके पर अनिल यादव, सैयद इफ़्तेखार हुसैन, लल्लन राय, विधायक संदीप पटेल, वासुदेव यादव, संदीप यादव, नरेन्द्र सिंह, धर्म राज पटेल, मुजतबा सिद्दीकी, अमर नाथ मौर्य,हाजी परवेज अहमद,महानगर महासचिव रविन्द्र यादव एडवोकेट,सचिन यादव, डॉ परवेज, मो. इजराइल,राम मिलन,दान बहादुर मधुर, डॉ राजेश, अनुराधा आंबेडकर, सुषमा पासी, रविन्द्र यादव, राम सुमेर पाल, दान बहादुर मधुर आदि रहे।

बीएसएफ जवान गुलाम मोहम्मद को अंतिम विदाई

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने परिवार से मिलकर स्मारक और नौकरी की मांग की

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, बांग्लादेश सीमा पर देश की सेवा करते हुए शहीद हुए बीएसएफ जवान गुलाम मोहम्मद को बुधवार को उनके पैतृक गांव में पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। अंतिम यात्रा में हजारों ग्रामीण, जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने शहीद के परिवार से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि गुलाम मोहम्मद का बलिदान देश की आत्मा को मजबूत करता है। राय ने सरकार से तीन मांगें रखीं। पहली, शहीद की स्मृति में गांव में स्मारक बनाया जाए। दूसरी, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए। तीसरी, परिवार को एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता दी जाए। शहीद की अंतिम यात्रा में गुलाम मोहम्मद अमर रहें, भारत माता की जय और वंदे मातरम्के नारे लगे। स्थानीय प्रशासन ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। ग्रामीणों ने मांग की कि गांव में किसी सार्वजनिक स्थल, स्कूल या मार्ग का नाम शहीद के नाम पर रखा जाए।

सपा कार्यकताओं ने डीएम कार्यालय में किया प्रदर्शन

- सांसद रामजीलाल सुमन को धमकी देने का विरोध, कार्रवाई की मांग

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं ने राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन को करणी सेना द्वारा दी गई जान से मारने की धमकी के विरोध में प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष राम उदित यादव के नेतृत्व में कार्यकर्ता जिला अधिकारी कार्यालय गौरीगंज पहुंचे। प्रतिनिधिमंडल ने अपर जिलाधिकारी को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए गए। दलित और पिछड़े वर्गों पर बढ़ते अत्याचार का जिक्र किया गया। सांसद सुमन को मिल रही धमकियों और उनके काफिले पर हमले को लोकतंत्र और संविधान के खिलाफ बताया गया। कार्यकताओं ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और सांसद की सुरक्षा की मांग की। प्रदर्शन में अरशद अहमद, मजदूर सभा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राम सिंह, लोहिया वाहिनी के जिलाध्यक्ष सूबेदार यादव और महिला सभा अमेठी की जिलाध्यक्ष गुंजन सिंह समेत कई नेता मौजूद रहे।

मजदूर दिवस पर मजदूरों की मांग

सुल्तानपुर में रैली निकाली, न्यूनतम वेतन और बेहतर कार्य परिस्थितियों की मांग

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर मजदूरों ने एक रैली का आयोजन किया। संगठन के महामंत्री विजय कुमार भारती ने मजदूरों की समस्याओं को रखा। उन्होंने कहा कि फैक्टरियों, कारखानों, होटलों, दुकानों और मनरेगा में काम करने वाले मजदूरों को कम वेतन में कठिन परिस्थितियों में काम करना पड़ता है। दिहाड़ी मजदूरों को रोजगार की गारंटी नहीं मिलती।

मिलने वाली मजदूरी में से महंगाई और टैक्स का बोझ उन्हें झेलना पड़ता है। भारती ने बताया कि मजदूरों को अपने स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास और भोजन में कटौती करनी पड़ती है। वे अस्वच्छ वातावरण में रहने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि पूंजीपति वर्ग मजदूरों के श्रम से उत्पन्न संपत्ति का लाभ उठाता है। महामंत्री ने आरोप लगाया कि वर्तमान व्यवस्था पूंजीपतियों को संरक्षण देती है। मजदूर वर्ग इस शोषण के खिलाफ लगातार संघर्ष करता रहा है। उन्होंने मजदूरों से अपने मतभेद भुलाकर एकजुट होने और अपने अधिकारों के लिए संगठित होकर लड़ने का आह्वान किया।

सपाइयों का प्रदर्शन

- सांसद रामजी लाल सुमन के काफिले पर हमले को लेकर सड़क पर उतरे, राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, अलीगढ़ में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन के काफिले पर हमले के विरोध में गुरुवार को सुल्तानपुर में समाजवादी पार्टी ने प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष रघुवीर यादव के नेतृत्व में सपाइयों ने सड़क पर उतर कर जमकर नारेबाजी की और राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। समाजवादी पार्टी की ओर से आरोप लगाया गया कि सांसद पर हमले के बाद प्रशासन ने हमलावरों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। पार्टी ने कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति खराब है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) के अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे हैं। समाजवादी पार्टी ने इस मामले को संविधान और लोकतंत्र से जोड़ते हुए कहा है कि प्रदेश में संविधान विरोधी गतिविधियां बढ़ रही हैं। पार्टी ने इस मामले में उचित कार्रवाई की मांग की है। यहां पर सपा प्रवक्ता अनूप संडा, विधायक ताहिर खान, महा सचिव सलाहुद्दीन, पूर्व विधायक चंद्र भद्र सिंह सोनू, पूर्व विधायक अरुण वर्मा, पूर्व विधायक भगेलू राम, वरिष्ठ सपा नेता मकसूद आलम, वरिष्ठ सपा नेता रिजवान ऊर्फ पप्पू, विधानसभा अध्यक्ष गुफरान ऊर्फ सैफी आदि मौजूद रहे।

जिला अस्पताल में एक महीने से बंद अल्ट्रासाउंड मशीन

महिलाएं लाठी-डंडों के साथ पहुंचीं अस्पताल, सीएमएस ने दिया जल्द शुरू करने का आश्वासन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, जिला अस्पताल में पिछले एक महीने से अल्ट्रासाउंड मशीन बंद पड़ी है। इस समस्या को लेकर जनकल्याण सेवा समिति की अध्यक्ष रीता सिंह के नेतृत्व में दर्जनों महिलाओं ने आज विरोध प्रदर्शन किया। महिलाएं हाथों में लाठी-डंडे लेकर अस्पताल पहुंचीं। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। रीता सिंह ने बताया कि अल्ट्रासाउंड सेवा बंद होने से गर्भवती महिलाओं और मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मरीजों को प्राइवेट जांच केंद्रों में महंगे दामों पर अल्ट्रासाउंड कराना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि अमेठी के अन्य अस्पतालों में भी भीड़ ज्यादा होने के कारण सुबह 11 बजे तक ही मरीज देखे जाते हैं। जिला अस्पताल में स्टाफ की अनुपस्थिति का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। स्टाफ की छुट्टी के दौरान वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की जा रही है। विरोध प्रदर्शन को देखते हुए मौके पर पहुंचे सीएमएस बद्री प्रसाद अग्रवाल ने अल्ट्रासाउंड मशीन जल्द चालू करवाने का आश्वासन दिया। इसके अलावा, जिला अस्पताल में मेडिकल छात्र ट्रेनिंग पूरी होने के बाद भी अनधिकृत रूप से मौजूद रहते हैं, जिस पर भी कार्रवाई की मांग की गई।

दहेज के लिए पत्नी को घर से निकाला

पति समेत 8 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज, 2 लाख रुपए की मांग

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, धम्मौर थाना क्षेत्र के चन्देलेपुर गांव की एक महिला ने अपने पति और ससुराल वालों पर दहेज उत्पीड़न का मामला दर्ज कराया है। महिला की शादी 29 मई 2023 को अमेठी जिले के पीपरपुर थाना क्षेत्र के उबारपुर गांव निवासी अमरेश चौहान से हुई थी।

पीड़िता के पिता ने अपनी हैसियत से ज्यादा खर्च कर शादी में मोटरसाइकिल, सोने की जंजीर, अंगूठी और 50 हजार रुपए नकद दिए।

इसके अलावा स्त्रीधन में पायल, पायजेब, कील, करधन, जंजीर, मंगलसूत्र और बिछिया दिए गए। शादी के समय ही ससुराल वालों ने दो लाख रुपए की अतिरिक्त मांग की थी। विदाई के बाद से ही पति अमरेश, ससुर रामकरन, जेठ राकेश और रमेश, देवर रंजीत, जेठानी बल्ली और मीना तथा ननद अंतिमा दहेज की मांग को लेकर पीड़िता को प्रताड़ित करते रहे। 25 मार्च 2025 को पीड़िता को घर से निकाल दिया गया। थाने में शिकायत के बाद 31 मार्च को समझौता कर उसे वापस भेजा गया।

लेकिन ससुराल वालों के व्यवहार में कोई बदलाव नहीं आया। 5 अप्रैल को सुबह 8 बजे उसका स्त्रीधन छीनकर उसे फिर से घर से निकाल दिया गया।

पीड़िता ने अपने भाई को फोन कर बुलाया और वह अपने मायके चली गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हॉर्न बजाने पर बदमाशों ने कार तोड़ी

शीशा तोड़कर कार से बाहर निकाला, मारा-पीटा फिर जान से मारने की धमकी दी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अलीगढ़ , जमालपुर क्षेत्र में एक मीडिया कर्मी के साथ नकाबपोश बदमाशों ने मारपीट की। क्वार्सी क्षेत्र निवासी रॉकी आलोक, जो एक समाचार पत्र और न्यूज चैनल में कैमरामैन हैं, अपने कार्यालय से घर लौट रहे थे। ट्रैफिक के कारण हॉर्न बजाने पर नकाबपोश बदमाशों ने उनकी कार रोक ली। बदमाशों ने पहले कार में तोड़फोड़ की और फिर आलोक को कार से बाहर खींच लिया। आलोक ने जब अपने मोबाइल से वीडियो बनाना शुरू किया तो एक बदमाश कार पर चढ़ गया और शीशा तोड़ दिया। बदमाशों ने आलोक के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। सूचना मिलते ही जमालपुर चौकी प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और स्थानीय लोगों की मदद से बदमाशों की पहचान की है। मीडिया कर्मी ने पुलिस को तहरीर दे दी है। पुलिस मामले की जांच करते हुए आरोपियों की तलाश कर रही है।

सड़क हादसे में महिला की मौत

दवा लेने जाते समय हुआ हादसा, अज्ञात वाहन की तलाश जारी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, जामो थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में 62 वर्षीय महिला की मौत हो गई। घटना सुखी बाजगढ़ गांव के पास की है। राम अभिलाख साहू की पत्नी जैकला दवा लेने बाजार जा रही थीं। सुखी बाजगढ़ नहर पुल के पास पहुंचते ही पीछे से आ रहे तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। वाहन चालक मौके से फरार हो गया। ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

महिला शव फंदे पर मिला

मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर लगाया हत्या का आरोप; डेढ़ साल पहले पति की मौत हुई थी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मथुरा, छाता थाना क्षेत्र में एक विधवा महिला की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। गोरखनाथ कॉलोनी की रहने वाली रीना का शव उसके कमरे में फांसी के फंदे पर लटका मिला। जानकारी के अनुसार रीना की शादी करीब 9 साल पहले छाता कस्बे की गोरखनाथ कॉलोनी निवासी देशराज के साथ हुई थी । देशराज फरीदाबाद में एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करता था , डेढ़ साल पहले रीना के पति देशराज की फरीदाबाद में सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। पति की मृत्यु के बाद रीना को 10 लाख रुपए का बीमा क्लेम मिला था। मृतका के चाचा महेंद्र के अनुसार, इस पैसे के कारण ससुराल वाले रीना को प्रताड़ित कर रहे थे और खाते से पैसे निकालने की मांग कर रहे थे। घटना से एक दिन पहले रीना ने अपनी छोटी बहन को फोन कर बताया था कि वह परेशान है और मायके आना चाहती है। मायके पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। मृतका के चाचा का आरोप है कि ससुराल वालों ने हत्या कर शव को फांसी के फंदे पर लटकाया है। हालांकि, ससुराल पक्ष ने इन आरोपों को खारिज किया है।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक अरविंद कुमार शर्मा द्वारा एफ एल टी ,एलजी 75 आर एम 4/4 इंदिरा नगर, सुंदर बाग,कुर्ला (प)मुंबई 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं AIS PRINTING SOLUTION प्लांट नं० -A-544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एम आई डीसी माहपे नवी मुंबई ,ठाणे 400709 से मुद्रित। संपादक - अरविंद कुमार शर्मा

EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 8097049935,9935750291RNI No-MAHHIN2017/74173

संपर्क का कार्यालय- 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001

संरक्षक- डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष (हिन्दी) इलाहाबाद विश्व विद्यालय, विशेष संवाददाता- आशीष कुमार शर्मा सह, सम्पादक- माता प्रसाद शर्मा, फिल्म- संपादक-जगन्नाथ तिवारी